जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 214 प्रभात उदयपुर, शनिवार 7 जून, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोदी सरकार की विदेश नीति सफल रही या असफल?

यह मुद्दा रहेगा, संसद के आगामी सत्र में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। मोदी सरकार की विदेश नीति की असफलताओं को लेकर बढ़ती आलोचना अब सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है, क्योंकि पहलगाम आतंकी हमले और इसके बाद संसद का विशेष सत्र बुलाने से इनकार किए जाने के बाद विपक्ष ने अपना हमला तेज कर दिया है।

विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार पर घोर लापरवाही और कई कूटनीतिक मोर्चों पर विफल रहने का आरोप लगाया है। हाल ही में हुए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से कोई ठोस परिणाम न निकलने को लेकर विपक्ष ने सरकार की कड़ी आलोचना की है और 33 देशों का दौरा करने वाले बहुप्रचारित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद में कथित भूमिका को उजागर कर वैश्विक समर्थन जुटाना था, वह भी इस्लामाबाद को अलग-थलग करने की दिशा में कोई ठोस आश्वासन या अंतरराष्ट्रीय सहमति प्राप्त करने में असफल रहा है।

कूटनीतिक शर्मिंदगी को और गहरा करते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-रोधी समिति में पाकिस्तान को वाइस चेयरमैन नियुक्त किया जाना, आतंकी नैटवर्क को पनाह एवं संरक्षण देने में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने से सम्बंधित भारत के लम्बे समय से चल रहे प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि यह घटनाक्रम भारत की वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लम्बे समय से चली आ रही मुहिम की साख को कमजोर करता है।

स्थिति को और पेचीदा बनाते हुए, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हाल ही में यह नया दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच "तनावपूर्ण गतिरोध" के दौरान युद्धविराम कराने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी और इस प्रक्रिया में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी सहयोग किया था। इस दावे ने भारत की विदेश नीति की स्वायत्तता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप की इन टिप्पणियों ने भारत की बड़ी शक्तियों पर बढ़ती निर्भरता और सुरक्षा मामलों पर सीमित होती जा रही कूटनीतिक स्वतंत्रता को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विपक्ष का कहना है, बहुप्रचारित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, जो 33 राज्यों में भेजा गया, उसे, आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयास में खास सफलता नहीं मिली और न ही कोई ठोस आश्वासन मिला।
- दूसरी ओर यूनाइटेड नेशन्स की सुरक्षा परिषद की आतंकवाद विरोधी कमेटी में पाकिस्तान का वाइस चेयरमैन के रूप में मनोनीत होना, भारत के उन प्रयासों के लिए भारी धक्का है, जो भारत काफी समय से कर रहा है, पाकिस्तान द्वारा आतंकवादी नेटवर्क्स को प्रश्रय देने की सच्चाई को उजागर करने के लिए।
- साथ ही राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा करने से कि उनकी सक्रिय भूमिका के कारण भारत व पाक के बीच "सीज़फायर" हुई, से भारत की विदेश नीति की "स्वतंत्रता" पर आघात हुआ है और अब तो ट्रंप यह भी कह रहे हैं कि उनको "सीज़फायर" लागू करने के प्रयास में रूस का भी समर्थन प्राप्त था।
- सरकार का इस बारे में यह कहना है कि दीर्घकालीन कूटनीतिक रणनीति सही दिशा में अग्रसर है तथा छोटे-मोटे घटनाक्रमों से भारत की अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता व प्रतिष्ठा पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

3 अगस्त को होगी नीट पीजी परीक्षा

नयी दिल्ली, 06 जून। उच्चतम न्यायालय ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन (एनबीई) को मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2025, तीन अगस्त को एक ही पाली में आयोजित करने की शुक्रवार को अनुमति दी।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने एनबीई की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

- सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन को नीट पीजी परीक्षा 3 अगस्त को कराने की अनुमति दे दी। परीक्षा एक ही पारी में आयोजित होगी।

अदालत ने इस संस्था की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने उसकी अर्ज़ी स्वीकार कर ली।

इससे पहले 30 मई को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने अदिति और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनबीई को 15 जून को पूर्व निर्धारित दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने ट्रंप-मस्क की सार्वजनिक छींटाकशी व झगड़े पर कटाक्ष किया

कांग्रेस ने कहा, दोस्ती कैसे निभाई जाती है, यह ट्रंप व मस्क को अडानी व मोदी की "दोस्ती" से सीखना चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क के बीच के बहुचर्चित मतभेद ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधने का एक मौका दे दिया है। पार्टी की केरल इकाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप व मस्क के मतभेद को लेकर मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर तंज कसा।

कांग्रेस के पोस्ट में कहा गया: "प्रिय एलन मस्क, रिश्ता कोई भी शुरू कर सकता है, निभा पाना सबके बस की बात नहीं। भारत आइए और मोदी-अडानी से मिलिए और सीखिए कि एक मुख्यमंत्री और एक प्रधानमंत्री को 23 साल तक कैसे वफादार बनाए रखा जा सकता है।"

यह तंज ऐसे समय में आया, जब मस्क ने ट्रंप के "वन बिग, ब्यूटीफुल बिल", जो कई अरब डॉलर के टैक्स और खर्च पैकेज से संबंधित है, की आलोचना की। इस बिल को हाल ही में अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने पारित किया है।

इसके बाद मस्क ने एक्स पर धमाका करते हुए लिखा: "अब असली बम गिराने का वक्त है: असली ट्रंप तो एप्सटीन फाइल्स में हैं। यही असली वजह है कि उन फाइल्स को अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। गुडलक डीजेटी।"

हालांकि मस्क ने इसका कोई सबूत पेश नहीं किया, फिर भी यह दावा सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। आलोचकों ने तुरंत मस्क के घिसलेन मैक्सवेल, जो जेफरी एप्सटीन की करीबी सहयोगी थीं, के साथ संबंधों की याद दिलाई, जिससे यह मामला और गर्मा गया।

भारत में, कांग्रेस ने इस अवसर का उपयोग मोदी और अडानी के कथित घनिष्ठ रिश्तों को फिर से उजागर करने के लिए किया। वर्षों से यह देखा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं अक्सर अडानी समूह की वैश्विक व्यापारिक विस्तार योजनाओं के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस ने इस संदर्भ में यह भी कहा कि मोदी-अडानी "दोस्ती" पिछले तेईस सालों से चल रही है और कोई बदमज़गी की बात न सुनी और न देखी।
- जैसा कि विदित ही है, मस्क ने ट्रम्प के व्यक्तिगत आचरण को भी नहीं बक्शा और कहा कि एप्स्टीन फाइल्स इसलिए सार्वजनिक नहीं हो रहीं, क्योंकि उनमें राष्ट्रपति ट्रंप का नाम है। एप्स्टीन एक अंतर्राष्ट्रीय दलाल थे, जिन पर हाई-सोसायटी की पार्टियों में युवतियों व बच्चियों को सप्लाई करने का आरोप है।

ब्रिक्स देशों ने भारत की आतंक के खिलाफ "ज़ीरो टॉलरैंस" नीति पर सहमति दी

नयी दिल्ली/ ब्राजीलिया, 06 जून। ब्रिक्स देशों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति पर सहमति जताई है।

ब्राजील की राजधानी ब्राज़ीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम के वार्षिक सम्मेलन में भारत सहित, 10 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। लोकसभा अध्यक्ष अध्यक्ष ओम बिड़ला सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

ब्रिक्स संसदीय फोरम का 12वां सम्मेलन भारत में होगा, इसलिए सम्मेलन के अंतिम दिन बिरला को अध्यक्षता सौंपी गई है। ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्त्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए साझा घोषणापत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वक्फ संबंधित उम्मीद पोर्टल लॉन्च

नयी दिल्ली, 06 जून। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामले एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केंद्रीय पोर्टल 'उम्मीद' का शुभारंभ करने के बाद शुक्रवार को कहा कि यह वक्फ संपत्ति प्रबंधन तथा प्रशासन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

रिजिजू ने कहा कि इससे न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि आम मुसलमानों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को भी मदद मिलेगी। यह पोर्टल अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने और समुदाय के स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों का प्रभावी और निष्पक्ष उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विदेशी छात्रों पर वीसा प्रतिबंध के आदेश पर रोक

सैन फ्रांसिस्को, 06 जून। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विदेशी विद्यार्थियों के लिए बीजा प्रतिबंध लगाने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। अमेरिकी संघीय न्यायाधीश एलिसन बरोज़ ने एक अस्थायी प्रतिबंध आदेश जारी किया, जो ट्रम्प द्वारा बुधवार को जारी किए गए आदेश के क्रियान्वयन को रोकता है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भाग लेने के लिए देश में प्रवेश करने की अंतरराष्ट्रीय छात्रों की क्षमता बहाल हो जाएगी। ट्रम्प की घोषणा और होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) के प्रयास को लागू करने पर रोक लगाने वाले आदेश को जारी करते हुए बरोज़ ने लिखा कि वह सुनवाई लंबित रहने तक यथास्थिति बनाए रखने के लिए काम कर रही थीं। न्यायाधीस बरोज़ ने माना कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने इस बात के "पर्याप्त सबूत" पेश किए हैं कि घोषणा से तत्काल और अपूरणीय क्षति होगी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय को लक्षित करने वाली ट्रम्प की घोषणा पिछले महीने के अंत में डीएचएस द्वारा स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विज़िटर प्रोग्राम में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रमाणन को रद्द करके विदेशी विद्यार्थियों को नामांकित करने की हार्वर्ड की क्षमता को सीमित करने के प्रयास के बाद हुई।

भगवान सिंह रोलसाबसर का निधन

जयपुर, 6 जून। क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाबसर का गुरुवार देर रात जयपुर में निधन हो गया।

वे लगभग 81 वर्ष के थे। उन्होंने एसएमएस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे बीमार चल रहे थे और पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे सहित, कई नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोलसाहबसर के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक की मृत्यु पर मुख्यमंत्री सहित अनेक नेताओं ने दुख व्यक्त किया।

क्या "इमरजैंसी" पर बहस करने के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत होगा?

कांग्रेस इस अफवाह से विचलित है तथा संभावित सत्र को पहलगाम व ऑपरेशन सिंदूर की कमियों से ध्यान हटाने की साजिश बताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 जून। फिलहाल भारत सरकार की ओर से 25 जून 2025 को 1975 की इमरजेंसी पर चर्चा के लिए किसी विशेष संसद सत्र को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इसके बजाय, सरकार ने 21 जुलाई से 12 अगस्त तक मानसून सत्र आयोजित करने की घोषणा की है, ताकि विशेष सत्र की मांगों को रोका जा सके।

तथापि, कांग्रेस पार्टी ने दावा किया है कि सरकार 25 जून 1975 को लगी इमरजेंसी की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर एक विशेष सत्र आयोजित करने पर विचार कर रही है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस संभावित कदम की आलोचना करते हुए इसे हाल की पहलगाम आतंकी घटना और उसके बाद शुरू हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसे गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हालांकि, सरकार की ओर से ऐसे सत्र बुलाने या न बुलाने के बारे में अधिकृत रूप से कुछ भी नहीं कहा गया है, पर, इंडिया गठबंधन, जिसे 16 राजनीतिक दल, जैसे, कांग्रेस, सपा, डीएमके तथा तृणमूल कांग्रेस आदि पार्टियां शामिल हैं, ने प्र.मंत्री से आग्रह किया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए ताकि ऑपरेशन सिंदूर व देश की सुरक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों पर गहराई से विश्लेषण हो सके।

अब आर.टी.जी.एस. से पैसा ट्राँसफर लगभग सभी करते हैं

पर, इस रियल टाइम सैटलमैंट व्यवस्था (आर.टी.जी.एस.) की जितनी उपयोगिता आज है, उतनी ही रोचक उसकी ऐतिहासिक कहानी भी है

-अंजन रॉय-

नई दिल्ली, 6 जून। अगर आपने अपने बैंक खाते से किसी अन्य खाते में पैसे ट्रांसफर किए हैं, तो संभवतः आपने आर.टी.जी.एस. प्रणाली का उपयोग किया होगा। यह तो ज्ञात है, लेकिन आर.टी.जी.एस. प्लेटफॉर्म और उसके विकास के बारे में बहुत कम जानकारी है।

रियल टाइम ग्रॉस सैटलमैंट (आर.टी.जी.एस.) प्रणाली को मूल रूप से विभिन्न देशों के बैंकों के बीच बैंक खातों के सैटलमैंट के लिए बैंक फॉर इंटरनेशनल सैटलमैंट्स (बी.आई.एस.) द्वारा विकसित किया गया था। बाद में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा। अब, बी.आई.एस., बैंकिंग से जुड़े खतरों से विवेकपूर्ण तरीके से निपटने के नियम बनाने वाली प्रमुख संस्था है।

बेसल एक, बेसल दो, और बेसल तीन – ये बैंकों के लिए, उनके जोखिम के संदर्भ कैपिटल रिक्वायरमैंट (पूँजी की आवश्यकता) के तीन लैवल हैं, जो यह निर्धारित करते हैं कि बैंक अपने व्यापार के स्तर और आकार के अनुसार कितनी स्वयं की पूंजी बनाए रखें। इन्हें बेसल कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो (पूंजी पर्याप्तता अनुपात) कहा जाता है।

इस प्रकार, बी.आई.एस. (बैंक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के बाद, विजयी देशों ने जर्मनी से "वॉर डैमेजेज़" (युद्ध में हुई भारी क्षति) की भरपाई की मांग की।
- यह रकम बैंक फॉर इंटरनैशनल सैटलमैंट (बी.आई.एस.) को ट्राँसफर होती थी, उसके बाद बी.आई.एस. विजयी शक्तियों के दावों को "सैटल" करता था। पर, 1932 के वरसाय एग्रीमैंट के बाद, यह महसूस किया गया कि जर्मनी इन दावों की रकम देने की सामर्थ्य नहीं रखता। अतः, बी.आई.एस. का रोल खत्म सा मान लिया गया था।

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

दूरगामी सोच का परिणाम है वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

जल है तो कल है कि चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा–नगर हवेली और दमन दीव देष के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश है जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान ही की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा–मोटा अंतर नहीं है ऐसे में इसे भलीभांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो–चार होना पड़ता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रतिव्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी वह 2024 आते आते 1401 घनमीटर रह गई है और यदि विशेषज्ञों की माने तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर ही रह जाने की संभावना हो गई है। यही कारण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि हमें पानी के उपयोग के संदर्भ में कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनः चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में आज भारत 182वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे–बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जुझ रहे हैं।

विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजन लाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन–प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगा है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है। एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो उस झड़ी का पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ–साथ ढलान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने के साथ ही पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरिज व सरकार गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं।

संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्त्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान संचालित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है और स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की मुहिम पर रामगढ़ में श्रमदान में हिस्सा लेकर आमजन को संदेश दिया है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण के हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड़ की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्त्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्त्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं। शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े, पर पैसा कमाने का लालच हमारें आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो–जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे अवेयरनेस तो आयेगी ही जनभागीदारी भी बढ़ेगी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुनः उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुनःचक्रिकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हांलाकि पानी के पुनः चक्रिकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा। भूजल के संग्रहण और भूजल के दोहन के बीच समन्वय बनाना होगा नहीं तो आने वाला समय बहुत अधिक चिंतनीय और गंभीर होगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। सही मायने में कहा जाए तो वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान सरकार की दूरगामी सोच का जनहितेषी कार्यक्रम माना जाना चाहिए क्योंकि सरकार की समझ और गंभीरता को इसीसे से समझा जा सकता है कि कार्यक्रम को आमजन से जोड़ने के लिए ही जनअभियान नाम दिया गया है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

जन आंदोलन बनाने के लिए जन भागीदारी जरुरी : राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का आगाज़

बाल मुकुन्द ओझा

राजस्थान में पेयजल और घरेलू आपूर्ति के लिए 70 फीसदी भूमिगत जल पर ही निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन अब भूमिगत जल भी खतरनाक स्तर तक नीचे चला गया है। इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान का आगाज़ किया है। यह अभियान प्रदेशभर में 5 से 20 जून तक चलाया जायेगा। अभियान के अंतर्गत जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ–सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी। जल संरक्षण का यह अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान है। राजस्थान को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और हरा–भरा बनाने के लिए बने इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत नए जल संग्रहण एवं जल संरक्षण संरचनाओं के कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। इन कार्यों के साथ ही बारिश में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को रोकने के लिए बांध, ऐनिकट तथा नहरों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा, जिससे मानसून में बारिश के पानी का संग्रहण तथा भूजल स्तर में वृद्धि हो सके। मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा के मुताबिक अभियान के पहले दिन प्रदेश के गांवों में जल संरक्षण के कम से कम एक कार्य की शुरूआत की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं की बैठकों में भी इस अभियान को विशेष महत्व देते हुए जल संरक्षण से संबंधित कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच और बारिश के जल की एक–एक बूंद को सहज कर भूमि में समाहित करने की यह परिकल्पना सरकार के साथ नागरिकों और स्वयं सेवी संस्थाओं के सहयोग से पूर्ण हो सकती है इसीलिए इसे जन आंदोलन के रूप में चलाने की मंशा जाहिर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संग्रहण संरचनाओं एवं जलाशयों की साफ–सफाई के कार्यों में स्वयं सेवी संस्थाओं, राजकीय कर्मचारियों सहित अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर श्रमदान कराया जाए। जिला स्तर पर हर दिन अलग–अलग विभागों द्वारा संयुक्त श्रमदान कराया जाए। साथ ही, सरकारी कार्यालयों में जल संरक्षण के संबंध में संकल्प कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं। अभियान में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा संस्थाओं का सम्मान भी किया जाए। आजादी के बाद से ही मरुस्थलीय क्षेत्र राजस्थान पेयजल के संकट से जूझता रहा है। पहले लोग कुए, तालाब और बावड़ियों के पानी पर निर्भर थे। आबादी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी बढ़ने लगी। जलप्रदाय की अनेक योजनाएं बनी मगर पानी का संकट कम होने के बजाय बढ़ता ही गया। परम्परागत श्रोत सूख गए और जल प्रदाय योजनाओं के नए केंद्र बनने शुरू हुए। हर साल करोड़ों अरबों की राशि इन कार्यों पर खर्च होने के बाद भी प्रदेश में पेयजल की किल्लत से हम जूझ रहे है। जल जीवन की पहली प्राथमिकता है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। देश के करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक–एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी प्यास बुझाई जा सकेगी।

जल समस्या का एक समाधान जल संचयन है। यहाँ सवाल यह उत्पन्न होता है की भारी मात्रा में मानसूनी जल उपलब्ध होने के बावजूद हम जल संकट सामना क्यों कर कर रहे है। इसका जवाब है हमने अपने परंरागत जल श्रोत समाप्त कर दिए। राजस्थान को कुए, बावड़ी टांकों और तालाबों का प्रदेश कहा जाता है। यहाँ लाखों की संख्या में परंपरागत जल श्रोत थे। नदियां हर समय पानी से लबालब भरी होती थी। इसके बावजूद हम जल समस्या का सामना कर रहे है। यह समस्या हर साल गहराती जा रही है। खेत तो दूर की बात पीने को भी पानी नहीं मिल रहा है। हमारे देश और प्रदेश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जब की केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है।

हमारे देश में सूखा और बाढ़ की अजब गजब स्थिति है। देश के किसी भाग में सूखा तो किसी में बाढ़ अक्सर हम देखते है। भारत सरकार द्वारा कैच द रैन कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन अभियान देश भर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चलाया जा रहा है और इसका नारा है जहां भी गिरे और जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें। नीति आयोग के अनुसार, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग को जल संरक्षण और भूजल को रिचार्ज करने का एक सरल, व्यवहारिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीका माना जाता है। ऐसे में देश के कई राज्यों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बना दिया गया है। शहरी विकास मंत्रलय के मुताबिक प्रति 100 स्क्वायर मीटर क्षेत्र की छत से हर साल 55,000 लीटर तक जल का संरक्षण किया जा सकता है।

राजस्थान में वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान की सफलता आम आदमी के सहयोग पर निर्भर करती है। यह अभियान केवल सरकारी अभियान बनकर नहीं रह जाये, इसके लिए मिलजुलकर प्रयास करने होंगे। इसके लिए सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। है। आम आदमी को जल संरक्षण एवं समझाइश के माध्यम से पानी की बचत का सन्देश देना होगा। वर्षा की अनियमितता और भूजल दोहन के कारण भी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक–एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

– बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

प्रधानमंत्री जी का राम-राम : राजस्थानी भाषा की मान्यता का सकारात्मक संकेत हो सकता है

राजेन्द्र जोशी

राजस्थानी भाषा को मान्यता मिलने की उम्मीद बढ़ी है। पिछले दिनों देशनोक–पलाना में प्रधानमंत्री जी के आगमन के बाद राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने की उम्मीद की जा सकती है। करणी माता के जय घोष और पलाना की आमसभा का शंखनाद 'था सगळा नैं रामराम' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

वहां उपस्थित सभी श्रोताओं ने उनकी इसका प्रति उत्तर जोश और उत्साह से दिया। इसके मायने स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री जी राजस्थानियों और उनकी भाषा को प्यार करते हैं।

अपनी बात को राजस्थानी भाषा से प्रारंभ करके उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिया की राजस्थान के नेता अगर उनको राजस्थानी भाषा, साहित्य और संस्कृति के उत्थान के लिए सिस्टमैटिक तरीके से बताएं तो वह राजस्थानी भाषा को मान–सम्मान देने के लिए तत्पर है। वे जब भी राजस्थान आते है, हमेशा यहां के स्थानीय देवी–देवताओं की जय जयकार करते हैं। और अपनी बात राजस्थानी भाषा में प्रारंभ करने से कभी भी भूलते नहीं। प्रधानमंत्री जी यह भी जानते हैं कि राजस्थानी और गुजराती बहुत समीप हैं, ऐसे में गुजराती को मान्यता मिली हुई है तो राजस्थानी भाषा को भी मान्यता दी जा सकती हैं। दुख तो तब हुआ जब राजस्थान के एक भी नेता ने प्रधानमंत्री जी को राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु आग्रह भी नहीं किया। प्रधानमंत्री जी राजस्थानी की बात करना चाहते हैं, अपनी बात का प्रारंभ राजस्थानी के महत्वपूर्ण शब्द 'था सगळा ने राम-राम' से किया। प्रधानमंत्री जी की भावना को हमें समझना चाहिए, उन्होंने वैसा ही किया जैसा साहित्य अकादेमी दिल्ली में विभिन्न भाषाओं के साहित्यकार अपनी-अपनी भाषाओं में प्रस्तुति देते हैं, वहां भी सबसे पहले वह एक शब्द या एक लाइन अपनी भाषा में कहते हैं उसके बाद हिंदी अथवा अंग्रेजी में अपनी प्रस्तुति दिया करते हैं। ठीक उसी प्रकार प्रधानमंत्री जी ने राजस्थानी भाषा से अपनी बात प्रारंभ की। अब प्रधानमंत्री जी को स्थानीय नेतागण राजस्थान के लोगों की भावना से अवगत कराए।

राजस्थान के नेताओं का वर्चस्व केंद्र की राजनीति में सर्वाधिक हैं। राजस्थान के नेताओं को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के लोगों पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर राजस्थान के लोगों को बिठाया हुआ हैं। और तो और अब भारतीय रिजर्व बैंक भी राजस्थानी के भरोसे कर दी। इतने भरोसेमंद लोगों की भाषा को मान्यता नहीं होना वहां की संस्कृति के साथ खिलवाड़ है। दिल्ली में बैठे राजस्थान के नेतागण आरबीआई के गवर्नर को साथ लेकर प्रधानमंत्री जी से मुलाकात कर उनसे अपनी प्रदेश की भाषा को मान्यता देने का आग्रह करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह सकारात्मक निर्णय लेंगे। प्रधानमंत्री जी को बताना चाहिए कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्थानीय भाषाओं को महत्व दिया गया हैं। और फिर राजस्थान की संस्कृति का समृद्ध भंडार है, जो हजारों वर्षों में विकसित हुई है, यहां की कला, साहित्यिक कृतियां, प्रथाओं, परंपराओं, भाषाई अभिव्यक्तियां, कलाकृतियां, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में विस्तार से प्रधानमंत्री जी को बताना चाहिए। प्रधानमंत्रीजी जानते हैं कि उन्होंने राम–राम केवल उपस्थित लोगों को ही नहीं कर रहे, बल्कि दुनिया भर में बैठे मारवाड़ी मित्रों को भी राम–राम कर रहा हूँ। जब भी विदेश जाते हैं तो वहां उनको हमेशा राजस्थानी लोग जरूर मिलते हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री जी को देशनोक करणी माता जी के आशीर्वाद से राजस्थान की भाषा साहित्य एवं संस्कृति के बारे में विस्तार से परिचित कराएंगे तो निश्चित रूप से उनका दिया हुआ राम–राम राजस्थानी भाषा की मान्यता में तब्दील होगा। पिछले लंबे समय से केंद्र सरकार तक राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए विधिवत रूप से कोई मांग रखी ही नहीं जा रही है, मैं अनेक बार समाचार पत्रों के माध्यम से यह आग्रह करता रहा हूं कि हमारे प्रदेश के 35 सांसद एक साथ प्रधानमंत्री जी को आग्रह करें तो प्रधानमंत्री जी राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का विचार अवश्य करेंगे आखिर यह जिम्मेदारी किसकी है।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद–साहित्यकार

भक्ति संगीत की दुनिया में स्वर साधक पंडित ओम व्यास ने अलग मुकाम बनाया

- **ओम व्यास ने सुप्रसिद्ध गीतकार पंडित भरत व्यास की छत्रछाया में स्वरसाधना की शुरुआत की थी**
- **उम्मीद जताई जा रही है कि संभवतः भारत सरकार भी उन्हें जल्द ही पद्मश्री से पुरस्कृत कर सकती है**

डीडवाना, (नि.सं.)। कहा जाता है कि संगीत और कला सरहदों के परे होते हैं। संगीत व कला के फनकारों की कला के दीवाने किसी एक स्थान या क्षेत्र तक ही सीमित नहीं होते, बल्कि वह पूरे जग में फैले होते हैं। ऐसे फनकारों के जब करोड़ों लोगों को दीवाने बनते हैं तो उसके पीछे उनकी वर्षों की मेहनत, लगन और समर्पण होता है, जिसके बदौलत वे बुलंदियों पर पहुंचते हैं। ऐसा ही एक नाम है, स्वर साधक पंडित ओम व्यास का, जिन्होंने अपनी स्वर साधना से भजनों की दुनिया में अपना एक अलग वर्चस्व कायम किया, बल्कि डीडवाना का भी नाम रोशन कर दिया।

गौरतलब है कि भारतीय गीत–संगीत में राजस्थानी स्वर, साधना और समर्पण का एक अनूठा इतिहास रहा है। देश की सांस्कृतिक परम्पराओं में राजस्थानी लोक गीतों का भी अभूतपूर्व योगदान रहा है। राणाकुंभा, हमीर हड़ग और मीरा की गायकी ने भारतीय संगीत को न केवल आध्यात्मिक स्वरुप दिया, बल्कि लोक चेतना की एक सशक्त परम्परा को भी स्थापित किया। उसी परंपरा के स्वरूप में राजस्थानी गीत–संगीत आज भी कायम है। उसी परंपरा में राजस्थान के डीडवाना की थार की धरती से निकले स्वरसाधक ओम व्यास आज भक्ति संगीत की दुनिया में एक जाना पहचाना नाम बन चुके है। बीते जमाने के सुप्रसिद्ध गीतकार पंडित भरत व्यास की छत्रछाया में व उनके पथ–प्रदर्शन में उन्होंने राजस्थानी गीतों के माध्यम से अपनी स्वरसाधना की शुरुआत की। आज यह साधना परवान चढ़ चुकी है। अपनी माता स्व. राधादेवी हरिशंकर व्यास के मुख से सुमधुर भजन सुन–सुन कर बचपन से ही इनमें संगीत गायन की जिज्ञासा जागृत हो गई थी। उस जमाने में जब हर कोई फिल्मों की चकाचौंध में अपना रुख फिल्मों की तरफ कर रहा था, तब इन्होंने अपनी अलग राह बनाई। भक्ति संगीत व लोक गीतों को अपनी एक अलग शैली और विशेष अंदाज में अपनाकर उसे जनमानस तक पहुंचाया। पंडित ओम

स्वर साधक पंडित ओम व्यास

व्यास की मधुर आवाज के लोग इतने दीवाने थे कि उनका प्रभाव फिल्मी दुनिया तक पहुंच गया। इसी कारण उन्हें फिल्मों में गाने और संगीत का मौका मिला। मगर एक–दो फिल्मों में काम और गीत गाने का मौका मिलने के बावजूद इनका मन और झुकाव भक्ति संगीत और भजनों पर ही रहा और फिर वे कभी फिल्मों के लिए गीत नहीं गा सके।

प्रख्यात संगीत कंपनी एच.एम.वी. (सारेगामा) द्वारा प्रस्तुत एल्बम "अर्चना" हिन्दी भजनों का कैसेट एवं पहला एल.पी. रिकॉर्ड है, जिसे ओम व्यास ने अपने सुरों से सजाया। यह एल्बम भक्ति गीतों में एक मील का पत्थर साबित हुआ। अर्चना इनका पहला एल.पी. रिकार्ड है, जो आज तक की ओम व्यास की गीत–संगीत यात्रा की ऐतिहासिक धरोहर है। यह संयोग है कि अर्चना भजन श्रृंखला के गीत स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज ने लिखे हैं, जिन्हें भारत सरकार ने पद्मभूषण से अलंकृत किया था। इसके अलावा दर्जनों भजन व भक्ति एल्बम से ओम व्यास ने जन जन में भक्ति भाव को जागृत किया। डीडवाना के बेटे ओम व्यास की इन उपलब्धियों और कामयाबी से उनके पैतृक शहर डीडवाना के लोग भी बेहद खुश और उत्साहित है। वहीं ओम व्यास भी संगीत की दुनिया में व्यस्त होने के बावजूद आज तक अपनी मिट्टी को नहीं भूले हैं। वे आज भी डीडवाना को याद करते हैं। उनका कहना है कि वह आज जिस मुकाम पर है उसके पीछे डीडवाना की धरती का ही कमाल है। आज भी ओम व्यास का डीडवाना से जुड़ाव है और वह समय–समय पर डीडवाना आते जाते हैं। पंडित ओम व्यास को भक्ति संगीत में विशेष योगदान और राजस्थानी लोक कला को बढ़ावा देने के उपलक्ष में अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। इसके अलावा कई संस्थाएं भी उन्हें पुरस्कृत कर चुकी है। अब उम्मीद जताई जा रही है कि संभवतः भारत सरकार भी उन्हें जल्द ही पद्मश्री से पुरस्कृत कर सकती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 7 जून, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र प्रातः 9:40 तक, वारियान योग दिन 11:17 तक, बवकरण सायं 6:03 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–वृष, चन्द्रमा–तुला, मंगल–सिंह, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

द्विपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 9:40 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 9:40 से सूर्योदय तक है। आज वन्जुलिनी महाद्वादशी व्रत, चंपक द्वादशी है। आज ईद उल जुहा (बकरीद) मु. है।

श्रेष्ठ चौघाड़ियाः शुभ 7:18 से 9:01 तक, चर 12:25 से 2:08 तक, लाभ अमृत 2:08 से 5:32 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:14

मेष
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कर्क
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृश्चिक
घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। कमर दर्द के कारण परेशानी हो सकती है।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सार-समाचार

क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन

बांसवाड़ा, (निसं)। पुलिस लाईन सभागार में जस्ट राईट फोर चिल्ड्रन, पुलिस विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं बेणेष्वर लोक विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जिले के थानो के बाल कल्याण अधिकारियों एवं स्वयंसेवी संस्थानों के साथ बालश्रम, बन्धुआ मजदूरी व मानव दुर्व्यापार के खिलाफ क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस उप अधीक्षक श्याम सिंह चारण ने बताया कि शिक्षा का असली मतलब संवेदनशील बनना है। हम सभी की डिग्रीया कागज का पुलिंदा है और हमे छोटे से छोटे बाल संरक्षण के काम को पूर्ण संवेदनशील होकर पूर्ण करना है तभी हमारी शिक्षा असली शिक्षा होगी। हमे अपराध रोकने के लिए जनता को जागरूक करना पडेगा तथा कुरीतियों की जड तक पहुंचना होगा और बालश्रम, बालविवाह उन्मूलन हेतु जनता को जागरूक करना पडेगा तभी यह कुरीति समाप्त हो पायेगी। इसलिए समाज के सभी लोगो की जिम्मेदारी लेनी पडेगी।

विधिक जागरूकता वाहन रवाना

देवगढ़, (निसं)। एसीजेएम न्यायालय, देवगढ़ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को आमजन में विधिक जागरूकता हेतु चलाई जाने वाली प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस पहल का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी पहुँचाना है। उक्त वाहन पर अधिकार मित्र विजयलक्ष्मी धाभाई तथा गमन सिंह द्वारा ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर आमजन को विधिक सेवा कार्यक्रमों लोक अदालत, पीड़ित प्रतिकर योजना, महिलाओं एवं वृद्धजनों के अधिकारों, बाल विवाह रोकथाम, सामान्य कानूनों से संबंधित पेम्प्लेट्स का वितरण कर जानकारी प्रदान की जाएगी।इस अवसर पर अधिवक्ता शांतिलाल,गोविंद कंसारा, गोवर्धन गुर्जर, लादूनाथ योगी,नरेंद्र सिंह,सुरेश जोशी, भवानी सिंह सहित कार्यालय के कर्मचारी सुदर्शन पुरोहित, सुनील गुप्ता, सतपाल शर्मा, लोकेश व्यास, घनश्याम बाजिया, विजेंद्र सिंह एवं योगिता सिंह की उपस्थिति रही।

जमीन हड़पने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी व उसकी पत्नि के खिलाफ धोखे से पीडित की जमीन हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित जीतमल पुत्र रूपलाल जैन निवासी रावलिया गोगुन्दा हाल मधुलिका अपार्टमेंट भदार रोड़ सूरत गुजरात ने आरोपी शांतिलाल पुत्र भंवरलाल जैन निवासी उत्तरी सुन्दरवास तथा पत्नी लीला पत्नी शांतिलाल निवासी उत्तरी सुन्दरवास के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमं पीडित ने बताया कि मैं सूरत में कपडे का कारोबार करता हूं तथा आरोपी मेरे पास सूरत में मेरे पास नौकरी करता हैं। लंबे समय से काम करने से संबधं अच्छे हो गए। इस पर उत्तरी सुन्दरवास में दोनों ने बीस वर्ष पूर्व सामलाती में एक भूखण्ड खरीदा था। गत दिनों आरोपी ने पूरे भूखण्उ को अपने नाम करवा दिया। इसका पता पडताल की तो आरेपी द्वारा धोखाधड़ी करने की जानकारी सामने आई। इस पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्जकरवाया।

सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत

उदयपुर, (कासं)। जावरमाइंस थाना क्षेत्र में बाइक की टक्कर से घायल मा बेटे की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार झावर माइन्स थाना क्षैत्र अमरपुरा रोड़ पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाईक चालक रमेश(40) पुत्र काना तथा चम्पाबाई (55) पत्नी काना गंभीर घायल हो गए।

विधायक माहेश्वरी ने विकास कार्यों की प्रगति का लिया जायजा

राजसमंद, (निसं)। राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने शुक्रवार को अपने जन सुनवाई केंद्र पर राजसमंद विधानसभा क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर चल रहे विकास कार्यों, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन और जन समस्याओं के निस्तारण की विस्तृत समीक्षा करना था। विधायक माहेश्वरी ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए पारदर्शिता और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर

- **विधायक दीप्ति ने ली ग्राम सचिवों की बैठक, विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की**

जनसंवाद कार्यक्रम में आमजन की समस्यांए सुनती विधायक दीप्ति माहेश्वरी।

कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें, यह सभी पंचायत प्रतिनिधियों और सचिवों की सामूहिक जिम्मेदारी है। आगामी विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने पर बल देते हुए विधायक ने सचिवों को योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने जन शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को सरल, सुचारू और त्वरित बनाने पर विशेष जोर दिया, ताकि प्रत्येक पंचायत में जनविश्वास की भावना मजबूत हो सके। सभी ने अपने सुझावों और अनुभवों के आधार पर विकास कार्यों की प्रभावशीलता बढाने पर विचार साझा किए। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने दोहराया कि ग्राम पंचायतें ग्राम स्वराज की नींव हैं और उनकी मजबूती से ही समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आव्हान किया ।विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने विधायक जन सुनवाई केंद्र पर आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में राजसमंद क्षेत्र के नागरिकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में बडी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे, जिन्होंने अपनी विभिन्न जन समस्याओं, आवश्यकताओं और स्थानीय मुद्दों को विधायक के सामने रखा। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने नागरिकों की बातों को गंभीरता से सुना और कई मामलों में तत्काल संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए। विधायक माहेश्वरी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का मंतव्य है कि जन समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और अधिकतम राहत देने की भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जन अपेक्षाओं की पूर्ति प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए और प्रत्येक अधिकारी को इस दिशा में पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निर्माणों की गुणवत्ता पर जन निगरानी अत्यंत आवश्यक है, ताकि कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे। अंत में माहेश्वरी ने राजसमंद विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को विश्वास दिलाया कि उनकी समस्या का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और जनहित से जुडे हर कार्य में वे पूरी संवेदनशीलता के साथ संलग्न रहेंगी।

जगदीश मंदिर में देवस्थान का दान पात्र काउंटर लगाने पर हंगामा

उदयपुर, (कासं)। प्रसिद्ध जगदीश मंदिर में निर्जला एकादशी पर देवस्थान विभाग की ओर से दान पात्र का काउंटर लगाने को लेकर हंगामा हो गया।

असल में पुजारी परिवार के सदस्यों और भक्तों ने इस बात को लेकर विरोध जताया कि आज देवस्थान विभाग ने यह नया प्रयोग यहां क्यों किया।मंदिर में देवस्थान विभाग का स्टाफ भी लगाया गया। वे भगवान के नाम पर दान देने वालों को रसीद भी दे रहे थे।इस बात की जानकारी पुजारी परिवार के सदस्यों और वहां के स्थानीय भक्तों को लगी तो इसका विरोध किया। देखते ही देखते आसपास से भक्त भी आ गए। उनका तर्क था कि यह नई व्यवस्था क्यों की गई है। इस बीच पुजारी परिवार ने काउंटर नहीं हटाने पर दर्शन नहीं खोलने की चेतावनी दे दी गई। मामला बढ़ने पर घंटाघर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची।

शोर के बीच एक व्यक्ति ने गुस्से में कहा. इस काउंटर को बंद कर दीजिए नहीं तो वह रसीद बुक फाड़ देगा। देवस्थान के स्टाफ के जूते पहने हुए थे,इसको लेकर भी विरोध हुआ। स्टाफ का तर्क था कि जहां जूते खोले जाते है,वहीं तक पहने थे। मंदिर के अंदर नहीं लेकर गए थे।पुजारी परिषद का कहना है. यह आत्मनिर्भर श्रेणी का मंदिर है। इसमें मंदिर खुद की आय पर भी चलता है। महाराणा जगत सिंह के समय से पुजारी यहां सेवा करते आ रहे है। आज अनाधिकृत रूप से पहली बार भेंट का काउंटर लगाया गया है। इसका सब विरोध करते है। पुजारियों ने चेतावनी दी कि इसे नहीं हटाया गया तो दर्शन बंद कर देंगे। मामले की जानकारी पर कलेक्टर नमित मेहता ने देवस्थान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरा मामला देखें और व्यवस्थाएं बनाए। निर्देश मिलने पर करीब पांच मिनट बाद मैनेजर सुमित्रा सिंह, इंस्पेक्टर सुनील मीणा ने काउंटर हटा दिया।

पीएचडा की उपाधि

उदयपुर (कासं)। पेसिफिक एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, उदयपुर ने शिक्षा संकाय की शोधार्थी ऋचा शर्मा को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की है। शोध कार्य से संबंधित एक शोध पत्र प्रतिष्ठित (रेफरीड) जर्नल में प्रकाशित किया गया है। साथ ही उन्होंने अपने शोधकार्य पर आधारित दो शोध पत्र राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए हैं। प्रमाण पत्र के अनुसार ऋचा शर्मा ने यूजीसी द्वारा निर्धारित 2016 के न्यूनतम मानकों और प्रक्रियाओं के तहत अपना शोधकार्य पूर्ण किया। पी.जी. स्टडीज के डीन द्वारा प्रमाणित इस उपलब्धि के साथ ऋचा शर्मा ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया है।

एसएफआई ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

डूंगरपुर, (निसं)। स्टूडेंट्स फैडरेशन ऑफ इंडिया जिला सचिव विक्रम डामोर के नेतृत्व में एसबीपी कॉलेज के विद्यार्थियों की विभिन्न प्रकार की मांग को लेकर ज्ञापन प्राचार्य को सौंपा। महाविद्यालय में दो जगह पर पानी के आरओ प्लॉट लगे हैं,लेकिन इस भीषण गर्मी में भी न पानी फिल्टर हो रहा है न ही पानी ठंडा दोनों आरओ काफी समय से बन्द पडे है,इन्हें तुंरत प्रभाव से सुचारू रूप से शुरू किए जाए। महाविद्यालय के सभी कक्ष कक्षाओं की नियमित साफ सफाई करवाई जाए, तथा अस्त व्यस्त पडे फर्नीचर को रख रखाव किया जाए, महाविद्यालय में अधूरा पडे रंग रोंगन कार्य पूर्ण किया जाए, महाविद्यालय का जो बॉयज होस्टल है काफी समय से खण्डहर अवस्था मे पडा है हॉस्टल की जमीन पर लोगों के अवैध रूप से कब्जे हो रहे हैं, कई लोगों में अपने मकान की आड में हॉस्टल की जमीन पर कब्जा किया है। इन कब्जों को तत्काल रूप से हटवाया जाए और एक जमीदार की नियुक्ति की जाएए।

बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन

डूंगरपुर, (निसं)। स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में सकल जैन समाज बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। 8 जून तक होने वाली इस प्रतियोगिता श्री जैन नवयुवक मंडल की ओर से आयोजित किया जा रहा है।

प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच के पहले दिन 25 मैच हुए प्रतियोगी ने अपने मैच जीत कर अगले दौर मे प्रवेश कियाए धीरेन्द्र गाँधी ने बताया कि सभी मैच नॉक आउट प्रारूप में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य अतिथि अनिल पारीख, विशिष्ठ अतिथि प्रायोजक नीरव कोटडिया ने कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों का परिचय कराते हुए स्वागत महामंत्री सुनील जैन ने किया। प्रारंभ में भगवान महावीर की तस्वीर के सम्मुख अतिथियों ने कार्यक्रम का आगाज किया। जैन नवयुवक मडंल के अध्यक्ष राजेश डेंडू ने इस आयोजन से सकल जैन समाज के युवा एक साथ खेल कर एक जुटता का संदेश देंगे। मुख्य अतिथि अनिल पारीख ने समाज के खेल के प्रति सभी युवाओं की प्रशंसा करते हुए आयोजन की सराहना की। इस दौरान जैन नवयुवक मण्डल के महामंत्री सूर्याप्रकाश जैन व कोषाध्यक्ष हर्षवर्धन जैन, सयोजक एवं अनुशासन समिति के सदस्य धीरेन्द्र गाँधी, मनोज मेहता, अखिलेश जैन, दिग्पाल गाँधी, रवि सेठ, सिद्धार्थ मेहता, नरेश जैनए पवन जैन, विजय जैन, आंनद जैन, भावेश जैन आदि मौजूद रहे।

बिजली लाइन रखरखाव के बहाने चारागाह से काट दिए सैकड़ों हरे पेड़

कानोड़, (निसं)। कानोड़ के चामुंडा माता सड़क मार्ग पर जहां पर सरकारी भूमि पर लगभग 50 अधिक पेड़ हैं जिन्हें बिजली विभाग के कर्मचारियों ने बिजली लाइन के रखरखाव के बहाने काट दिए। कुछ को जमीन से ही धराशाही कर दिया तो कुछ का डंठल ही रखा, मामला तब खुला जब पर्यावरण प्रेमी व ग्रामीणों ने इस मामले को उठाया और विभाग के ही लाइनमैन कमलेश मीणा सहित कर्मचारियों पर पेड़ काटने के आरोप लगाए। जबकि नियम यह है कि बिजली विभाग बारिश से पूर्व बिजली लाइन के मेंटेनेंस के लिए बिजली बंद रखते हुए पेड़ों की डालियां जो बिजली लाइन से टच हो रही है , उनको हटाने का कार्य करता है। लेकिन नियमों के विरुद्ध जाकर बिजली विभाग के लाइनमैन व ठेकेदार के कर्मचारियों ने इन सभी पेडों को पूरी तरह से कटवा दिए। यह जानकारी पाकर पर्यावरण प्रेमी मौके पर पहुंचे और स्थिति देखी तो विभाग के दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे।

पर्यावरण प्रेमी दीपक शर्मा सहित लोगों का कहना था कि विभाग पेड़ लगाने के बजाय उसको कटवा रहा है , जो नियम विरुद्ध है, राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित परिंदों का आशियाना उजाडने वाले इन दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए जिससे भविष्य में ऐसी घिनौनी करतूत करने से पहले कर्मचारी सोचे । लोगों का तो इतना तक कहना है कि विभाग के लाइनमैन ने इन पेड़ों को कटवा कर वहीं पर बेच दिया जबकि यह कार्य नियम विरुद्ध है। लोगों ने उक्त दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है । इधर मामला उठने के बाद विभाग पेड़ गिनने में लगा है, जानकारी के अनुसार विभाग के अधिकारियों का कहना है, 10 पेड़ से अधिक होंगे तो मुकदमा दर्ज होगा, लोगों का चेतावनी भरे लहजे में कहना है, साहब एक पेड़ को बड़ा करने में कितना समय लगता है यह शायद आपको पता नहीं है, और ऐसा है तो भी वहां अनगिनत पेड़ आपके कर्मचारियों ने काट दिए , फिर कैसे मुकदमा दर्ज नहीं होता हम भी देखते हैं।

बिजली विभाग द्वारा पेड़ काटने की सूचना पर पहुंचे पर्यावरण प्रेमी सहित मीडिया से बचने और अपने कर्मचारियों को बचाने के लिए विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जुटे नजर आए। हालांकि विभाग के जिम्मेदार अतिरिक्त चार्ज अधिकारी ने बिजली विभाग द्वारा ही पेड़ काटने की बात को स्वीकार करते वह कहा कि बिजली लाइन से टच होने वाली डालियों के अलावा पेड़ काटना नहीं चाहिए अगर किसी ने काटे हैं तो गलत है। लेकिन दोषी लाइनमैन व कर्मचारियों के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं करना विभाग के अधिकारियों की मिली भगत को दर्शा रहा है।इस पूरा घटनाक्रम के बाद विभाग लापरवाह लाइनमैन के खिलाफ कार्रवाई करेगा या फिर ठेकेदार के कर्मचारी मजदूर के विरुद्ध कार्रवाई कर औपचारिकता पूरी कर देगा यह एक सवाल बना हुआ है ? क्योंकि अधिकतर मामलों में मुख्य आरोपी बच निकलता है और गरीब मजदूरों को इसकी सजा भुगतनी पड़ती है । ठामीणों ने बताया की ठेकेदार के कार्मिकों को पेड़ों को कटवाने के निर्देश देने वाले लाइनमैन कमलेश मीणा पर कोई कार्रवाई होगी, या फिर इस मामले को जैसे तैसे निपटा दिया जाएगा । लोगों ने चेतावनी भी दिए कि अगर ऐसा होता है तो उन्हें आंदोलन करने को विवश होना पड़ेगा।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी
उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए)
क्रमांक: LU2012/UDP/2024-25/103863 दिनांक: 06/06/2025

लोक सूचना

श्री Dinesh Wadhwani पुत्र श्री Balkishan Wadhwani जाति Sindhi निवासी 58 Jyoti Nagar Shobhagpura 100Feet Road Udaipur ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	शोभागपुरा, बड़गांव (उदयपुर)	Dinesh Wadhwani S/o Balkishan Wadhwani	1581/983, 1589/984	165	0.0165
				कुल	0.0165

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।
उपर्युक्त नियम समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06-06-2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी
उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए)
क्रमांक: LU2012/UDP/2024-25/103809 दिनांक: 06/06/2025

लोक सूचना

श्री Anup Kataria पुत्र श्री Bhajan Lal Kataria जाति Kataria निवासी 1 MA 42 Gayatri Nagar Sec 5 Manwa Khera Udaipur ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	शोभागपुरा, बड़गांव (उदयपुर)	Anup Kataria S/o Bhajan Lal Kataria	1578/983, 1586/984	165	0.0165
				कुल	0.0165

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।
उपर्युक्त नियम समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06-06-2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

कृषि अनुसंधान केन्द्र
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in
क्रमांक : एफ( )/कृअके/2025-26/123-128 दिनांक 31.05.2025

निविदा सूचना (2025-26)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 12.06.2025 प्रात: 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन प्रात: 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पीछे, बांसवाड़ा तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर संचालित कपास, मक्का, PVT परियोजना में कृषि कार्य।	723575/-	14500/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001
Mo. No. 8112207969 / 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in
क्रमांक : एफ( )/कृअके/2024-25/129-134 दिनांक 03.06.2025

निविदा सूचना (2025-26)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमन्त्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 12.06.2025 प्रात: 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदायें उसी दिन प्रात: 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्यान्ह 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म बांसवाड़ा पर संचालित बी.टी. कपास परियोजनाओं में कृषि कार्य।	7,00,000/-	14,000/-	500/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री राजेश कुमार मित्तल** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **श्री गणपत दान चारण पुत्र श्री देवी दान चारण एवं जमानतदार श्री पंकज तातेड़ पुत्र श्री बाबू लाल तातेड़** पर मांग सूचना **दिनांक 21.03.2025 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर दिनांक 21.03.2025 को बकाया राशि रू. 1,58,079.15 (रूपये एक लाख अठावन हजार उन्नासी एवं पैसे पन्द्रह मात्र) (दिनांक 27.02.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 02, माह जून**, वर्ष 2025 को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 01.06.2025 को बकाया राशि रू. 1,62,604.15 (रूपये एक लाख बासठ हजार छह सौ चार एवं पैसे पन्द्रह मात्र) प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक**, आलोक स्कूल शाखा, उदयपुर के प्रभार के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री गणपत दान चारण पुत्र श्री देवी दान चारण के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो मकान नं. 35, आराजी नं. 1604 से 1607, बालाजी नगर, गाँव मनवाखेड़ा, तहसील गिर्वा, जिला उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग फीट है।
सीमाएं- उत्तर: प्लॉट नं. 36, दक्षिण: प्लॉट नं. 34, पूर्व: रोड़ 40 फीट चौड़ी, पश्चिम: प्लॉट नं. 20

हस्ता.
स्थान : उदयपुर (राजेश कुमार मित्तल)
दिनांक : 02.06.2025 प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्तियों के लिए)

जबकि
अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री राजेश कुमार मित्तल** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **श्री उदय लाल डांगी पुत्र श्री गोपा डांगी, श्री सुरेश डांगी पुत्र श्री उदय लाल डांगी एवं श्री रमेश डांगी पुत्र श्री उदय लाल डांगी** पर मांग सूचना दिनांक **18.03.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 28.02.2025 को बकाया राशि रू. 15,31,720/- (रूपये पन्द्रह लाख इकतीस हजार सात सौ बीस मात्र) (दिनांक 28.02.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 02, माह जून**, वर्ष 2025 को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों को कब्जे में ले लिया है।
कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 01.06.2025 को बकाया राशि रू. 15,58,267/- (रूपये पन्द्रह लाख अठावन हजार दो सौ सड़सठ मात्र) प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक**, सुखेर शाखा, उदयपुर के प्रभार के अधीन होगा।

अचल सम्पत्तियों का वर्णन

सम्पत्ति 1- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री सुरेश डांगी पुत्र श्री उदय लाल डांगी के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो गाँव मानपुरा, लखावली, खसरा नं. 3411, संकल्प नं. 04, तहसील बड़गांव, जिला उदयपुर, राजस्थान 313011 पर स्थित है, जिसका प्लॉट क्षेत्रफल 2268 वर्ग फीट है।
सीमाएं- उत्तर: श्री प्रकाश पुत्र श्री सोहन लाल का मकान, दक्षिण: श्री रमेश पुत्र श्री उदय लाल की भूमि, पूर्व: श्री दल्ला पुत्र श्री गंगाराम की भूमि, पश्चिम: रोड़ एवं उसके बाद श्री उदय लाल का मकान
सम्पत्ति 2- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री उदय लाल डांगी पुत्र श्री गोपा डांगी के नाम साम्यिक बंधक आवासीय सम्पत्ति जो गाँव मानपुरा, लखावली, खसरा नं. 3411, संकल्प नं. 04, तहसील बड़गांव, जिला उदयपुर, राजस्थान 313011 पर स्थित है, जिसका प्लॉट क्षेत्रफल 2268 वर्ग फीट है।
सीमाएं- उत्तर: रोड़, दक्षिण: स्वयं की भूमि, पूर्व: रोड़ एवं श्री प्रकाश पुत्र श्री सोहन लाल का मकान, पश्चिम: रोड़ एवं उसके बाद श्री नन्दलाल जी का मकान

हस्ता.
स्थान : उदयपुर (राजेश कुमार मित्तल)
दिनांक : 02.06.2025 प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

कार्यालय ग्राम पंचायत बरोडिया, पंचायत समिति भीण्डर जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक: -14 दिनांक-30.04.2025

-: ई निविदा सूचना संख्या : 01/2025-26:-

इस ग्राम पंचायत में महात्मा गांधी नरेगा तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज योजनान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्यो के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसार राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमो के तहत जी.एस.टी. में पंजीकृत / प्राधिकृत डीलर, एक मात्र वितरक, थोक विक्रेता, लघु उद्योग ईकाईया , सिद्ध विपणन कर्ताओं व सम्बन्धित संविदादारों को जो सम्बन्धित कार्य करते हो, से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाए निम्नानुसार आंमत्रित की जाती है। निविदादाता को नीचे दिये गये विवरण के अनुसार निविदा शुल्क रू 1000 /- का E Grass चालान एवं धरोहर राशि रू 1,00,000 /-(निविदा की अनुमानित लागत का 02 प्रतिशत) के डिमाण्ड ड्राफ्ट / बैंकर चैक संबंधित ग्राम पंचायत के नाम से व प्रोसेसिंग फीस रू 1500 का E Grass चालान निर्धारित दिनांक व समय तक ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा करवाना होगा । धरोहर राशि, निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग फीस, सम्बन्धी दस्तावेज प्राप्त नहीं होने पर उस निविदादाता की ऑनलाईन निविदाऐ खोली नही जाएगी। निविदा से संबंधित विस्तृत शर्ते संलग्न की जा रही है। ऑनलाईन निविदाए निर्धारित दिनांक एवं समय पर क्रय कमेटी द्वारा ग्राम पंचायत मुख्यालय / निर्देशित स्थान पर खोली जायेगी। समस्त विवादो का न्याय क्षैत्र भीण्डर जिला उदयपुर होंगा।

क्र. सं.	नाम ग्राम पंचायत	अनुमानित लागत राशि (लाखों में)	धरोहर राशि (ग्राम पंचायत के नाम)	निविदा शुल्क (बजट मद 0075.00. 800.52.01)	प्रोसेसिंग फीस (बजट मद 8568 00 102 16.03)	निविदा आवेदन डाउनलोड/ अपलोड करने की दिनांक	कार्यालय में निविदा शुल्क, धरोहर राशि व प्रोसेसिंग फीस जमा कराने की दिनांक व समय	निविदा खोलने की दिनांक व समय
1	बरोड़िया	50 लाख	1.00 लाख	रूपये 1000	रूपये 1500	10.06.2025 6:00 PM	11.06.2025 1:00 PM	11.06.2025 2:00 PM

शर्ते-

1. निविदा सूचनाव शर्ते एवं पूर्ण विवरण जानकारी sppp.rajasthan.gov.in वeproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. निविदा ग्राम पंचायत के लिए ई प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्रस्तुत की जावेगी। प्राप्त निविदाएं ग्राम पंचायत मुख्यालय / अथवा क्रय समिति द्वारा निर्देशित स्थान पर नियत तिथि व समय पर क्रय समिति द्वारा उपरिथत निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार /अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार क्रय समिति एवं सक्षम प्राधिकारी का होगा।
3. निविदा के साथ नवीनतम जीएसटी प्रमाण पत्र एवं पिछले माह की जी.एस. टी. रिटर्न तथा आयकर पेन कार्ड की प्रति, पिछले 3 वर्षो के टर्न ओवर (सनदी लेखाकार द्वारा अंकेक्षित अन्तिम खाते व बेलेंस शीट तथा आयकर विवरणी) की प्रति एवं अन्य वांछित प्रपत्र संलग्न करना आवश्यक है।
4. सशर्त डाक व ई मेल से प्रेषित निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. शेष शर्ते निविदा प्रपत्र में अंकित अनुसार होगी।

प्रशासक
ग्राम पंचायत बरोड़िया
पं.स.भीण्डर,
जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बरोड़िया
पं.स.भीण्डर,
जिला-उदयपुर (राज.)

एटीएम कार्ड बदलकर रकम उड़ाने वाली गैंग का पर्दाफाश, दो जने गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 284 एटीएम कार्ड व कार जब्त की

- शातिर बदमाश वारदात अंजाम देने के लिए महंगी कार में घूम कर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में वारदात देते रहे
- गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयपुर के हस्तेड़ा थाना गोविंदगढ़ निवासी कपिल कुमावत उर्फ सोनू और चौमूं निवासी मनोज धानका हैं

अजमेर, (कासं)। एटीएम कार्ड बदलकर खातों से रकम उड़ाने वाली गैंग के दो शातिर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने गैंग पर्दाफाश करते हुए बताया कि शातिरों के पास से 284 एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। शातिर बदमाश वारदात अंजाम देने के लिए महंगी कार में घूम कर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में वारदात देते रहे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है, अन्य वारदातें खुलने की उम्मीद पुलिस ने जताई है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्रिश्चियनगंज थाने के सीआई अरविंद चारण गैंग का पर्दाफाश करते हुए बताया कि शहर में एटीएम कार्ड बदलकर वारदात अंजाम देने वाली गैंग के जयपुर जिले के गोविंदगढ़ और चौमूं निवासी दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से अलग-अलग बैंकों के 284 एटीएम कार्ड और एक कार भी जब्त की है। पुलिस ने यह कार्रवाई गत दिनों थाना क्षेत्र में रहने वाले एक बुजुर्ग का कार्ड बदलकर राशि निकालने के मामले में उनकी तलाश की थी।

सीआई चारण ने बताया कि केरियों की ढाणी माकड़वाली निवासी भंवरलाल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 29 मई की शाम करीब सात बजे स्टीफन चौराहे के पास बीओबी के एटीएम बूथ पर रुपए निकालने गया था। वहां रुपए नहीं निकले, तब दो युवकों ने मदद करने के बहाने एटीएम कार्ड बदल लिया और बाद में ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 75 हजार रुपए निकाल लिए। पुलिस ने शातिर बदमाशों की तलाश शुरू करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें संदिग्धों को पहचान कर मुखबिर की सूचना के आधार पर ऐसी घटनाएं करने वाले बदमाशों की सूची तैयार की गई। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर ही बदमाशों का सुराग लगा। पुलिस द्वारा लगातार बदमाशों पीछा किया गया और इनमें से एक को चौमूं से और दूसरे को श्रीमाधोपुर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जयपुर के हस्तेड़ा थाना गोविंदगढ़ निवासी कपिल कुमावत उर्फ सोनू और चौमूं निवासी मनोज धानका हैं।

सीआई ने बताया कि बदमाश किराए पर टैक्सी कार बुक करके अलग-अलग शहरों में घूमते रहते हैं। शहरों में एटीएम बूथों पर जाकर भोले-भाले लोगों को शिकार बनाते हैं। बूथ के अंदर जाकर यह ग्राहक का पासवर्ड देख लेते और रुपए नहीं निकलने पर मदद के बहाने कार्ड बदल लेते। मौके पर एक बार तो राशि निकाल कर दे देते हैं, लेकिन कार्ड बदलकर बाद में बड़ी रकम निकाल लेते हैं। इस रकम का उपयोग मौज मस्ती और महंगे शौक पूरे करने में खर्च कर देते हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अजमेर शहर सहित ब्यावर, भीनमाल, जालोर, उदयपुर, नीमराना अलवर, उदयपुरवाटी झुंझुनूं में एटीएम बदल कर धोखाधड़ी की वारदात अंजाम देना कबूल की है। आरोपियों से और घटनाओं का खुलासा होने की उम्मीद है।

बाइक में आग लगी, युवक जिंदा जला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में करंट लगने से बाइक समेत युवक जिंदा जल गया। युवक बाइक लेकर 31 बीबी गांव से निकल रहा था। इस दौरान अचानक उसकी बाइक फिसल गई और बिजली के पोल से टकरा गई। बिजली के पोल में करंट आने से बाइक में आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद करवाई, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। आग में युवक जिंदा जल गया। हादसे की सूचना पर गजसिंहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका-मुआयना किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है और युवक की पहचान करने के प्रयास में जुटी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक जैसे ही पोल के पास से गुजरा अचानक उसकी बाइक फिसल गई और पोल से टकरा गई। पोल में करंट होने के कारण युवक और बाइक करंट की चपेट में आ गया। बाइक में आग लगने से युवक जिंदा जल गया। युवक की पहचान नहीं हो पाई है, उसकी उम्र करीब 30 साल बताई जा रही है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि युवक सब्जी बेचने का काम करता था और रोजाना गांव में फेरी लगाने आता था। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में उसके बारे में जानकारी जुटा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि बिजली के पोल में करंट आने की वजह शॉर्ट सर्किट या पोल की खराब वायरिंग है।

गबन का आरोपी गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। टोडारायसिंह थाना पुलिस ने उचित मूल्य की दुकान से सरकारी गेंहू गबन के मामले में आरोपी राशन डीलर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हरिराम चौधरी ने बताया कि टोडारायसिंह थाने में दर्ज आवश्यक वस्तु अधिनियम में वांछित राशन की दुकान से 11083 किलोग्राम सरकारी गेंहू के गबन के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुये आरोपी राशन डीलर पुखराज पुत्र श्रवण लाल बैरवा निवासी सालग्यावास टोडारायसिंह को गिरफ्तार किया है।

कार्यालय जोधपुर नगर निगम उत्तर

क्रमांकः– विकास/उत्तर/द्वितीय/2025–26/927 दिनांकः– 30.05.2025

:: अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या ::
(UB NO. DLB2526WSOB06550)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है।

महापौर, नगर निगम, जोधपुर उत्तर — आयुक्त, नगर निगम, जोधपुर उत्तर

राज.संवाद/सी/25/3786

Office of the Superintendent Engineering and Project Manager WCDC, Karauli

No. 571 Date: 30-05-2025

NOTICE INVITING BID
NIB No 11/2025-26

Bids for RTWHS With Recharge shaft work Project PMKSY2.0 Block-Todabhim of estimated value INR 22.66 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 09-06-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2526WSRC00352
UBN NO-WSC2526A0204

Superitending Engineer and Project Manger WCDC Zila Parishad Karauli

DIPR/C/7254/2025

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड

कैफे संचालक सहित दो नाबालिगों की जमानत खारिज

अजमेर, (कासं)। ब्यावर जिले के बिजयनगर में हुए रेप ब्लैकमेल कांड मामले में शुक्रवार को पॉक्सो कोर्ट ने कैफे संचालक सहित दो नाबालिग आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। जानकारी के अनुसार कैफे पर बच्चियों के साथ हैवानियत हुई थी। इससे पूर्व चार जून को मुख्य आरोपी पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी की भी जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। मामले में बिजयनगर थाना पुलिस ने 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें 11 बालिग और 5 नाबालिग है।

सरकारी वकील प्रशांत यादव ने बताया कि बिजयनगर रेप ब्लैकमेल कांड मामले में शुक्रवार को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट में 3 आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। मामले में आरोपी कैफे संचालक श्रवण जाट सहित दो नाबालिगों ने जमानत याचिका लगाई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीनों की अर्जी को खारिज कर दी है। यादव ने बताया कि पीड़िताओं से कैफे में रेप की वारदात हुई थी। कैफे संचालक श्रवण कुमार आरोपियों के संपर्क में था। ये जानते हुए कि आरोपी नाबालिग पीड़िताओं को गलत काम के लिए कैफे लेकर आए हैं, उन्हें रोका नहीं और पैसे लेकर कैफे में शरण दी। वारदात के दौरान आरोपी श्रवण कुमार भी कैफे पर ही मौजूद था। मामला सामने आने के बाद कैफे संचालक भाग गया, जिसे कर्नाटक से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अब आरोपी कैफे संचालक ने जमानत याचिका कोर्ट में पेश की थी। इस पर कोर्ट में सुनवाई हुई। सरकारी वकील ने कहा कि कोर्ट के सामने हमने अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

पारिवारिक विवाद में बहनोई की चाकू मारकर हत्या

- हमले में बहनोई का चचेरा भाई घायल, घटना के बाद आरोपी फरार

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र सेक्टर 14 में गुरुवार की रात में एक ज्यूस की दुकान के पास में दो सालों ने मिलकर अपने बहनोई और उसके चचेरे भाई पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बुरी तरह घायल बहनोई की रात एक बजे मौत हो गई। वहीं उसका चचेरा भाई अस्पताल में भर्ती है। इधर घटना के बाद आरोपी सालें मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस रातभर छापेमारी करती रही। हमले का कारण आरंभिक तौर पर पारिवारिक विवाद बताया जाता है। पुलिस ने मामले से जुड़े कुछ संदिग्ध को पकड़ा है जिनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं शुक्रवार सुबह शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। देर रात इस बारे में घायल के पर्चा बयान पर केस दर्ज कर लिया गया था।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थानाधिकारी ईश्वरचंद पारिक ने बताया कि रात में सूचना मिली कि सेक्टर 14 के पास में चाकूबाजी हुई है। इस पर पुलिस तत्काल वहां पहुंची। जहां पर दो घायलों नुमान और रफीक को जनसहयोग से अस्पताल भिजवाया गया। थानाधिकारी पारिक के अनुसार नुमान और उसके दो सालों फिरोज एवं समीर के साथ एक अन्य व्यक्ति ने यह हमला किया था। इनकी तलाश की जा रही है। आरंभिक पड़ताल में इनके बीच में कोई पारिवारिक विवाद सामने आ रहा है। फिलहाल इस बारे में पूर्ण पता लगाया जा रहा है। हमलावरों की तलाश में पुलिस की टीमें लगाई गई है। नुमान को गंभीर घाव लगे थे, जिसकी बाद एक बजे मौत हो गई। थानाधिकारी पारिक के अनुसार कुछ संदिग्ध को पकड़ा है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय, अधीक्षण अभियंता पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरशैड सेल कम डाटा सेन्टर जिला-कोटपूतली-बहरोड

E-mail:-sewdsc.kot.behror@rajasthan.gov.in

क्रमांक-417-427 दिनांक-29-5-2025

ई-निवदा सूचना सं-03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 के अन्तर्गत जिला कोटपूतली बहरोड के 01 ब्लॉक में एनिकट, परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शाफ्ट, जोहड/तालाब रिनोवशन, अद्धर्न चैक डैम, एमपीटी, परकोलेशन टैंक, सब सरफेस बैरियर, संकन पोण्ड तथा मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 अन्तर्गत 02 ब्लॉक में अमृत सरोवर, ट्यूबवेल रिचार्ज, एनिकट आदि काय इत्यादि के अंतर्गत करवाए जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्य हेतु जिला कोटपूतली-बहरोड में स्वीकृत कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सिंचाई क्षेत्र विकास एवं केन्द्रीय सरकार के अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण "https://eproc.rajasthan.gov.in", "https://sppp.rajasthan.gov.in" एवं विभागीय वेबसाईट "www.watershed.gov.in" पर देखा जा सकता है।

NIB code:- WSC2526A0200

UBN	ऑनलाईन फार्म डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक
WSC2526WSOB00344 WSC2526WSOB00345 WSC2526WSOB00346 WSC2526WSOB00347	दिनांक 30.06.2025 प्रातः 9.30 बजे से 08.06.2025 सायं 06 बजे तक	दिनांक 09.06.2025 प्रातः 11 बजे

(हरिमोहन बैरवा) अधीक्षण अभियन्ता पदेन परियोजना प्रबन्धक (डब्ल्यू. सी.डी.सी.) कोटपूतली-बहरोड

DIPR/C/7234/2025

उदयपुर : आबादी इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट दिखा

उदयपुर, (कासं)। शहर के आबादी इलाके में शुक्रवार सुबह एक लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया। इसके बाद से आसपास के लोग डरे हुए हैं। लोगों का कहना है कि लेपर्ड पटरी पार कर राणा प्रताप स्टेशन की तरफ भागा है।

शहर के ओस्तवाल नगर के एक निवासी के अनुसार सुबह करीब साढ़े छह बजे रसोई के पीछे कुछ आवाज आ रही थी। जब रसोई की खिड़की से बाहर की तरफ देखा तो झाड़ियों में लेपर्ड छिपा हुआ था। इस पर आसपास के लोगों को आवाज देकर बुलाया, लेकिन तब तक लेपर्ड वहां से भाग गया। उन्होंने बताया कि जहां लेपर्ड दिखा वहां से कुछ दूरी पर रेलवे ट्रैक है और पास में एक फैक्टरी है जो बंद पड़ी है। लोगों की आवाज सुनकर लेपर्ड पटरी पार कर स्टेशन की तरफ भाग गया। लोगों ने बताया कि सूचना पर वन विभाग की टीम भी यहां सुबह आठ बजे आई, लेकिन वे थोड़ी देर यहां रुके और मौका देखा। लोगों का कहना है कि टीम लेपर्ड यहां से रेलवे स्टेशन की तरफ चला गया कहकर चली गई जबकि लेपर्ड के मूवमेंट को देखकर पीछे फैक्टरी और रेलवे स्टेशन की तरफ पूरा चेक करना था। लोगों ने बताया कि कॉलोनी में बच्चे भी बाहर की तरफ खेलते हैं और लोग वॉक भी करते हैं, लेपर्ड के मूवमेंट से दहशत हो गई है।

डिजिटल करेंसी में इन्वेस्ट के नाम पर 57.55 लाख की ठगी

- महिला से दुकानदार की पहचान इंस्टाग्राम पर हुई थी

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर बिजली घर के पीछे रहने वाले एक दुकानदार को महिला ने डिजिटल करेंसी में मोटे मुनाफे का लालच देकर 57.55 लाख की ठगी कर डाली। महिला से उसकी पहचान इंस्टाग्राम पर हुई फिर व्हाट्सअप कॉल करने लगी। इसके बाद वह उसे झांसे में लेती गई और ठगी का शिकार बना डाला। पीड़ित ने अब प्रतापनगर सदर थाने में इस बाबत केस दर्ज करवाया है। पीड़ित बिजली कार्य की दुकान चलाता है।

थाने के सबइंस्पेक्टर देवाराम ने बताया कि इसमें प्रतापनगर बिजलीघर के पीछे रहने वाले हरीश कुमार पुत्र जेसाराम जीनगर ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह दुकानदारी करता है। उसके मोबाइल पर इंस्टाग्राम पर एक महिला सेजल अग्रवाल से पहचान हो गई थी। बाद में सेजल ने उसे डिजिटल करेंसी में इंवेस्ट करने पर बड़े मुनाफे की बात की थी। जिस पर हरीश कुमार ने 16 अप्रैल को पहली बार 14 हजार रूपए इन्वेस्ट किए थे, जिसके बदले में उसे तत्काल दो हजार का मुनाफा यानी 16 हजार रूपए दिए गए। इन रूपयों को उसने खाते से निकाल भी लिए। मगर बाद में सेजल ने उसे ज्यादा पैसे लगाने के लिए उत्प्रेरित किया और कहा कि ज्यादा लगाने पर ज्यादा मुनाफा होगा। इसके बाद वह 28 मई तक पैसे लगाता गया और कुल 57 लाख 55 हजार 491 रूपए लगा दिए। इतनी बड़ी रकम के बारे में पीड़ित हरीश कुमार ने बताया कि उसका मकान बिकने पर 25 लाख रूपए आए थे, बाकी वह उधार और इधर उधर से करके लाया था। आरोपी महिला सेजल अठावाल के साथ एक अन्य व्यक्ति भी इस फ्रॉड में शामिल है। सेजल खाता संख्या भेजती रहती थी। आखिर में जब रूपए लौटाने की बात आई तो आरोपियों ने कहा कि वे 17 लाख रूपए खाते में डालेगा तो उसे रकम मिल पाएगी। एसआई देवाराम ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है।

हज यात्रा कराने के नाम पर ठगी

जोधपुर, (कासं)। देवनगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने परिवार के तीन सदस्यों को हज यात्रा करवाने के नाम पर रूपए ऐंठ लिए, मगर उसने हज यात्रा नहीं करवाई। रूपए वापिस मांगे जाने पर कुछ रूपए लौटाए, मगर बाकी रकम लौटाने से मना कर दिया। पीड़ित ने देवनगर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि शांतिप्रिय नगर पाल लिंक रोड निवासी कबीर अहमद पुत्र अब्दुल अजीज ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वह दस दुकान के पीछे चौपासनी रोड पर अब्दुल मजीद नाम के शख्स से मिला था। अब्दुल मजीद ने कहा कि वह हज यात्रा करवा सकता है। इस पर परिवादी कबीर अहमद ने खुद की, पत्नी और बेटी की हज यात्रा के बारे में बात की थी। 31 जनवरी 2025 से 2 फरवरी 2025 तक हज यात्रा कराने के नाम पर उससे 1.58 लाख रूपए लिए गए।

कार्यालय नगर परिषद,दौसा (राजस्थान)

क्रमांकःन.प.दौ./2025/1217 दिनांक 04.06.2025

ई–निविदा सूचना

नगर परिषद दौसा द्वारा परिषद कोष के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य करवाये जाने हेतु कार्यालय नगर परिषद एवं इस कार्यालय से सम्बन्धित विभाग (अभियान्त्रिकी, स्वायत्त शासन विभाग) में पंजीकृत संवेदकों के अलावा अन्य विभाग के उपयुक्त श्रेंणी में पंजीकृत संवेदकों से (पंजीकरण नियम Appendix XVI Rule 334 के सेक्शन II के अनुसार) निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in व http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से Download/Upload की जा सकती है :–

निविदा के कुल कार्यो की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
06	04.06.2025	14.06.2024 को 6:00 पीएम तक	16.06.2025 11:00 एएम तक	16.6.2025 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526WSOB06810, DLB2526WSOB06811, DLB2526WSOB06812, DLB2526WSOB06813, DLB2526WSOB06815, DLB2526WSOB06818

राज.संवाद/सी/25/3759 आयुक्त, नगर परिषद, दौसा

बैंक मैनेजर से 28.77 लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। शातिर ठगों ने कार्गो मोटर्स राजस्थान प्राइवेट लिमिटेड का कर्मचारी बनकर एचडीएफसी बैंक के ब्रांच मैनेजर के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दे डाला। ठगों ने तीन ट्रांजेक्शन के माध्यम से करीब 28 लाख 77 हजार रुपए खाते से उड़ा लिए। पीड़ित ने सायबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सायबर थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूचना केंद्र एचडीएफसी बैंक केंद्रीय ब्रांच में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत अभिषेक माहेश्वरी ने मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर कॉल आया था। कॉलर ने कार्गो मोटर राजस्थान प्राइवेट लिमिटेड द्वारा चेक बुक समाप्त होने और कंपनी के लेटर पैड पर राशि ट्रांजैक्शन का ई-मेल प्राप्त होने की जानकारी दी थी। पीड़ित ने बताया कि बैंक का मेल चेक करने पर कंपनी के लेटर पैड पर कंपनी के डायरेक्टर के सिग्नेचर मिलान होने या कंपनी के पूर्व रिकॉर्ड के आधार पर तीन ट्रांजैक्शन के जरिए 28.77 लाख का ट्रांजैक्शन कर दिया, लेकिन कंपनी का ओरिजिनल लेटर पैड प्राप्त नहीं हुआ और कंपनी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। उन्होंने किसी भी प्रकार के लेनदेन की जानकारी होने से मना कर दिया।

RAJASTHAN MEDICAL SERVICES CORPORATION LTD.

(A Govt. of Rajasthan Undertaking), Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur-302005, India, Phone No: 0141-2228066, 2228064, Website: www.rmsc.health.rajasthan.gov.in, CIN : U24232RJ2011SGCO35067, E-mail : edpssrmsc@rajasthan.gov.in

Ref No. : F.02(192)/RMSCL/Proc./S&S (MD)/NIB-05/2025/317 Dated :- 28/05/2025

Notice Inviting E-Bids

E-bids for rate contract cum empanelment for supply of following items are invited from eligible bidders:-

S. No.	Item Name/Description	Ref. No.	UBN	Estimated Value in Rs.	Last Time & Last date for bid submission
1.	Surgical And Suture Items	F.02 (192)/RMSCL/Proc./S&S (MD)/NIB-05/2025/ Dated :- 28/05/2025	MSC2526GLRC00009	2.13 Cr.	26.06.2025 Up to 6.00 PM

Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in, http://rmsc.health.rajasthan.gov.in and may be downloaded from there.

Executive Director (Procurement) RMSCL

Raj.Samwad/C/25/3752

बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

- चोरी की तीन बाइक जब्त, बदमाश चोरी की बाइक को पांच हजार में कबाड़ी को बेच देते थे

पाली, (निसं)। पाली में पुलिस ने बाइक चोर गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी की तीन बाइक भी जब्त की है। ये बदमाश चोरी के बाद बाइक को पांच हजार रुपए में कबाड़ी को बेच देते थे। फिर कबाड़ी पूरी गाड़ी को खोलकर सभी पार्ट्स अलग अलग करके बेचता था।

एसपी चुनाराम जाट ने बताया कि पाली के ट्रांसपोर्ट नगर थाने में 2 जून को श्यामलाल ने रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि उसका भाई नया गांव क्षेत्र में एक सैलून पर बाल कटवाने गया था। कुछ देर बाद वापस लौटा तो बाइक गायब थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान फुटेज की मदद से चोरों को लेकर सुराग लगा। कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए बाइक चोरी के आरोपी पाली जिले के दूदौड़ (मारवाड़ जंक्शन) निवासी 24 साल के भीमाराम पुत्र जीवाराम, मारवाड़ जंक्शन के मुक्तिधाम के पास माली मोहल्ला में रहने वाले 27 साल के पुखराज उर्फ पपिया पुत्र जसाराम को गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ के आधार पर कबाड़ी का काम करने वाले मारवाड़ जंक्शन के ही महावीर नगर निवासी 31 साल के सुनील पुत्र कानाराम को गिरफ्तार किया।

50 बुलेट बाइकों के मोडीफाई साईलेंसर खोले

सादुलपुर, (निसं)। पुलिस थाना राजगढ़ के सीआई राजेश कुमार सिहाग, एसपी किशोरीलाल एवं आईपीएस अधिकारी निश्चय प्रसाद एम के नेतृत्व में राजगढ़ थाना पुलिस ने 50 बुलेट मोटरसाईकिलों के साईलेंसर हटवाये। सीआई राजेश कुमार सिहाग ने कहा कि स्कूल, कॉलेज के आगे एवं बाजार में बुलेट मोटरसाईकिलों से पटाखे जैसे आवाजें निकालने की आए दिन शिकायतें मिल रही थी, जिनमें कुछ आवारा किस्म के लोग जो बुलेट मोटरसाईकिलों के साईलेंसर मोडीफाई करवाकर स्कूल से छुट्टियां होती है तब बच्चों के आगे दौड़ना या बाजार में बड़ी स्पीड से पटाखे बजाना जैसी शिकायतें मिल रही थी। अभियान के दौरान करीबन 50 बुलेट मोटरसाईकिलों के साईलेंसर खोल चुके है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कार्यालय नगर विकास न्यास जैसलमेर

क्रमांक :- नविन्यास/लेखा/जैसल/2025-26/2632 दिनांक :- 05/06/2025

निविदा सूचना संख्या अभियात्रिकी/02/2025-26

नगर विकास न्यास, जैसलमेर की ओर से उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत व अन्य विभागों में "ए", "एए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से दो कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनके UBN No. UJS2526WSOB00003 & UJS2526WSOB00004 है। निविदा से संबंधित कार्यों की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्ते इत्यादि वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

सचिव, नगर विकास न्यास, जैसलमेर

राज.संवाद/सी/25/3769

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com

क्रमांक : निविजा/2025–26/ई –10 दिनांक :– 04.06.2025

(ई–भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या – ई 10/2025–26

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राषि रु0 110.60 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 05.06.2025 एवं अंतिम तिथि 16.06.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 17.06.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00038

राज.संवाद/सी/25/3777 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लिग्नाईट, सी-स्कीम, जयपुर- 302005(राज.), फोन नम्बरः (0141) 2227938, 2227710, 2227715, फैक्सः (0141)2227360, 2227761 Email:- Jaipur.rsmml@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 05/06/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
RSMM/SBU&PC-Lignite/ GGM(Lignite)/Cont-06/ 2025-26 dated 04.06.2025 UBN No. MML2526SLOB00030	एसबीयू एवं पीसी लिग्नाईट, जयपुर (राजस्थान) में पेशेवर विशेषज्ञों (सीए/सीएमए फर्म) के माध्यम से वित एवं लेखा सेवाओं का कार्य। अनुमानित मूल्य (रू.) 15.60 लाख धरोहर राशि (रू.) – 31,200/–, निविदा राशि– 1180/– जी.एस.टी. सहित।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी–कॉन्ट्रेक्ट) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/3722 उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.)

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

गंगा अपार्टमेंट, सेक्टर-26, फेज-II प्रताप नगर, जयपुर RAJ/P/2025/3491
गुलमोहर अपार्टमेंट, विलेज-सुखालपुरा, सेक्टर-05, रजतपथ, मानसरोवर, जयपुर RAJ/P/2025/3696
लाखेरी, फेज-III, डिस्ट्रिक्ट -बूंदी RAJ/P/2023/2406
हाउसिंग स्कीम, फेज -II, सेक्टर -4, धौलपुर RAJ/P/2023/2354
हाउसिंग स्कीम, फेज -II, सेक्टर -5, धौलपुर RAJ/P/2023/2362

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in

जो कल तक था सपना, आज बन सकता है अपना

अब केवल 5 दिन शेष !

राजस्थान आवासन मण्डल की **5 नई योजनाओं** में आवेदन का **अंतिम अवसर**

« मूलभूत सुविधाएँ शामिल »

आवेदन की अंतिम तिथि 11 जून 2025

पानी की सुविधा | बिजली की व्यवस्था | सुसंगठित सड़कें | सीवर प्रणाली | पार्किंग | हरित पार्क एवं ओपन स्पेस

आवेदन ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से

जयपुर	गंगा अपार्टमेंट फेज-2, सेक्टर-26, प्रताप नगर, स्ववित्त पोषित (SFS) **आय वर्ग:** HIG (S+10)
जयपुर	गुलमोहर अपार्टमेंट, सेक्टर-05, मानसरोवर, स्ववित्त पोषित (SFS) **आय वर्ग:** HIG (B+S+5) **डबल पार्किंग**
बारां	गजनपुरा आवासीय योजना (स्वंतत्र आवास) विशिष्ट पंजीकरण योजना (SRS) **आय वर्ग:** Gharonda, MIG-A, MIG-B, HIG
बूंदी	लाखेरी आवासीय योजना (स्वतंत्र आवास) विशिष्ट पंजीकरण योजना (SRS) **आय वर्ग:** HIG, MIG-A, MIG-B
धौलपुर	बाड़ी रोड आवासीय योजना (स्वतंत्र आवास) स्ववित्त पोषित (SFS) **आय वर्ग:** MIG-B, HIG

« बुकलेट के लिए स्कैन करें »
Ganga Apartment | Gulmohar Apartment | Gajanpura House Scheme | Lakheri House Seceme | Badi Road Sector-04/05 Scheme

विस्तृत विवरण एवं ऑनलाइन पंजीकरण के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट rhb.rajasthan.gov.in देखें

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरांत: 9461054291 / 92 / 319 एवं 9460254319, 6376868696 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन: 9828363615 से संपर्क करें।

आवासन आयुक्त

राज.संवाद/सी/25/3797

डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर्स सहित मेडिकल छात्र गिरफ्तार

नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामला

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। इनमें डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले दो डॉक्टर भी शामिल है और अन्य आरोपित मेडिकल छात्र है। जिसने परीक्षा पास करने के लिए साठ लाख रुपए में सौदा किया था। पुलिस फिलहाल पकड़े गए तीनों आरोपी डॉक्टर्स से पूछताछ कर रही है।

■ **डॉक्टर सुभाष के जरिए 60 लाख रुपए में परीक्षा पास करवाने का सौदा किया**

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि चौमूं थाना पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा मामले में कार्रवाई करते हुए डॉक्टर सुभाष सैनी (33) निवासी जैतपुरा चोमू, सचिन गोरा (22) और अजीत गोरा (30) निवासी लक्ष्मी विहार, कचौलिया चौमूं को गिरफ्तार किया है।आरोपित सचिन गोरा वर्तमान में एमबीबीएस फाइनल ईयर एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज का छात्र है।

चौमूं पुलिस ने नीट यूजी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जांच में सामने आया कि नीट परीक्षा में सचिन गोरा के जगह अजीत गोरा की फोटो लगाकर आवेदन किया गया था। सचिन गोरा के स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा में 667 अंक हासिल किए थे। इसके आधार पर सचिन गोरा का एमबीबीएस के लिए जोधपुर एम्स में दाखिला हो गया था। सचिन गोरा ने कभी नीट परीक्षा दी ही नहीं।

एसीपी (चौमूं) अशोक चौहान ने बताया कि आरोपित सचिन गोरा ने साल-2020 में आयोजित नीट यूजी परीक्षा को पास करने के लिए डॉक्टर सुभाष सैनी से सम्पर्क किया। उस समय सुभाष सैनी आयु विज्ञान की डिग्री लेकर वर्तमान में कॉमन हेल्थ ऑफिसर के पद पर घाटवा में पदस्थापित है। डॉक्टर सुभाष सैनी के जरिए 60 लाख रुपए में परीक्षा पास करवाने का सौदा किया गया। सचिन की जगह परमिशन लेटर पर अजीत की फोटो लगाकर पास कराया गया। पूछताछ में सामने आया है कि साल-2013 में आरोपित सुभाष सैनी ने नीट पीजी में पास करवाने के एवज में 65 लाख रुपए लिए थे। करणी विहार थाना पुलिस ने साल-2013 में प्रकरण में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि चौमू निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया था। जहां जांच के दौरान पिछले 15 दिनों में कार्रवाई में एनटीए और संबंधित संस्थानों से रिकॉर्ड लिया गया था और परमिशन लेटर में भी सचिन की जगह अजीत के फोटो लगाकर एग्जाम देना सामने आया था। इसके अलावा जगन्नाथ पहाड़िया मेडिकल कॉलेज भरतपुर और एम्स जोधपुर मेडिकल कॉलेज से भी आवश्यक रिकॉर्ड मांगा गया था। वहीं मामले के खुलासे में भरतपुर और जोधपुर पुलिस ने भी मदद की। जब जाकर इस मामले का खुलासा हो पाया।

थार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जयपुर। चाकसू थाना इलाके में नेशनल हाईवे-52 पर तेज रफ्तार थार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार उछलकर 200 मीटर दूर गिरा। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

बेकाबू होकर थार डिवाइडर पर चढ़ गई। थार का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि थार का आगे का हिस्सा क्षितग्रस्त हो गया। हादसा टिगरिया चौराहे पर हुआ था। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें थार की टक्कर से बाइक सवार उछलता नजर आ रहा है।

थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि बाइक सवार युवक चाकसू से मंडालिया रोड की तरफ जाने के लिए हाईवे क्रॉस कर रहा था। इस दौरान जयपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार थार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार दूर जाकर गिरा, जबकि थार बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई।

हादसे के बाद लोगों ने चाकसू पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक सवार को एंबुलेंस से उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हुई है। पुलिस ने थार को जब्त कर लिया है। चालक की तलाश कर रही है।

जयपुर-अजमेर हाईवे पर सीएनजी गैस लीक से मची अफरा तफरी

बड़ा हादसा होने से टला

जयपुर। जयपुर-अजमेर हाईवे पर गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक बड़ा हादसा होने से टल गया। जहां भांकरोटा थाना इलाके में टोरेंट कंपनी के करियर ट्रक के मेन पाइप के टूटने से सीएनजी गैस लीक हो गई। सीएनजी गैस लीक होने से अफरा तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार ट्रक से सीएनजी गैस का रिसाव दस मिनट तक होता रहा। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को रुकवाया। वहीं समय रहते हाईवे से करियर ट्रक को बाईपास पर सुनसान जगह ले जाया गया। जहां सीएनजी गैस रिसाव रोकने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि हादसा गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात्रि 1:15 बजे जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा में ओल्ड कार शोरूम के सामने हुआ था।

■ **भांकरोटा थाना इलाके में टोरेंट कंपनी के करियर ट्रक के मेन पाइप के टूटने से सीएनजी गैस लीक हो गई। सीएनजी गैस लीक होने से अफरा तफरी का माहौल बन गया**

जहां सीएनजी गैस के सिलेंडरों से भरा एक ट्रक भांकरोटा की ओर जा रहा था। इसी दौरान कार शोरूम के सामने से जाते समय सिलेंडर का वॉल लीक हो गया। इससे सीएनजी गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव का पता चलने पर चालक ने तुरंत ट्रक को रोड किनारे रोक कर मामले की जानकारी पुलिस को दी। इधर पुलिस को सूचना देने के साथ ही हाईवे पर मौजूद अन्य ट्रक चालको की मदद से दोनों ओर का ट्रैफिक रोका गया। पुलिस सहित मौके पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर ट्रक में कई सारे सीएनजी गैस सिलेंडर भरे हुए मिले।

ट्रक ले जाते समय रास्ते में मेन पाइप टूटने से सीएनजी गैस लीकेज के चलते रिसाव हो रहा था। जहां चालक ने सूझबूझ के चलते कपड़े से गैस के लीकेज को कम करने का प्रयास किया। पुलिस व फायर बिग्रेड कर्मियों ने हाईवे से करियर ट्रक को बाईपास स्थित सुनसान जगह ले गए। वहां लीकेज पाइप लाइन को मशक्कत कर गैस रिसाव को रोका। इसके बाद पुलिस-प्रशासन सहित मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली गई। रिसाव से निकली सीएनजी गैस के हवा में आसनी से घुल जाने के कारण बड़ा हादसा होने से टल गया।

फर्जी पीएम किसान ऐप से साइबर ठगी का नया जाल

जयपुर। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के नाम पर इन दिनों सोशल मीडिया पर एक नया साइबर जाल फैलाया जा रहा है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर किसान सम्मान निधि योजना की मोबाइल एप्लीकेशन होने का दावा करने वाला एक फर्जी लिंक या एपीके फाइल शेयर कर लोगों को फांस रहे है। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को इस संबंध में सतर्क करते हुए एडवाइजरी जारी की है।

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार ने बताया कि एडवाइजरी के अनुसार पीएम किसान रजिस्ट्रेशन एवं पीएम किसान योजना की फर्जी एपीके फ़ाइल व्हाट्सएप ग्रुप्स व अन्य माध्यमों से शेयर की जा रही है।

जागृति, संवाद एवं डॉन विषयों पर कार्यशाला एवं विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

जयपुर, 06 जून। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जयपुर महानगर-प्रथम के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के द्वारा चलाई जा रही जागृति, डॉन व आशा योजनाओं के संबंध में कार्यशाला एवं मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पवन कुमार जीनवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, दीपेन्द्र माथुर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम, कुंतल विश्नोई एडीएम 03, बृजमोहन मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण, बबीता राजावत सहायक निदेशक शिक्षा विभाग, श्रीमान बी.पी चंदेल संयुक्त निदेशक समाज कल्याण विभाग, अनिता मुवाल सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग, इंदिरा शर्मा उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पैनल अधिवक्ता, पीएलवी व अन्य सदस्यगण उपस्थित रहें। इस दौरान पवन जीनवाल द्वारा माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में चलाई जा रही जागृति (जस्टिस अवेयरनेस फॉर ग्रासरूट इनफार्मेशन एण्ड ट्रांसपेरेन्सी इन्सिएटिव), डॉन (ड्रग एवेयरनेस एण्ड वैलनेस नेविगेशन), आशा (जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्यवाही) मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर, 2025 आदि के विषय में जानकारी दी।

'शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान नहीं करें मिटिंग, ना ही जारी करे कोई आदेश'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शाहपुरा पंचायत समिति की प्रधान से जुडे मामले में कहा है कि वह निर्वाचित प्रधान नहीं है और उन्हें राज्य सरकार ने इस पद का कार्यभार सौंपा है। ऐसे में वे कोई भी बैठक आहूत ना करें। वहीं अदालत ने किसी भी प्रकार का निर्णय भी नहीं लेने को कहा है। अदालत ने कहा है कि यदि नियम अनुमति देते हैं तो राज्य सरकार प्रधान पद के लिए चुनाव आयोजित करा सकते हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन और अवकाशकालीन न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश मंजू देवी शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता शाहपुरा पंचायत समिति की वार्ड संख्या 15 से सदस्य निर्वाचित हुई थी। वहीं बाद में सभी वार्ड सदस्यों ने उसे प्रधान के रूप में चुना था। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने शाहपुरा नगर परिषद के क्षेत्र का विस्तार करते हुए इसमें याचिकाकर्ता के वार्ड को भी शामिल कर लिया। वहीं बाद में उसे यह कहते हुए वार्ड सदस्य पद से हटा दिया

■ **अदालत ने कहा है कि यदि नियम अनुमति देते हैं तो राज्य सरकार प्रधान पद के लिए चुनाव आयोजित करा सकते हैं**

कि अब वार्ड का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। इसके बाद गत 15 मई को याचिकाकर्ता से प्रधान पद का कार्यभार लेकर उसे पंचायत समिति के वार्ड नंबर 9 की सदस्य पिस्ता देवी को सौंप दिया। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि उसका वार्ड सदस्य के रूप में अलग चुनाव हुआ था और बाद में प्रधान पद के लिए अलग से मतदान हुआ था। ऐसे में वार्ड का अस्तित्व समाप्त होने के आधार पर उसे प्रधान पद से नहीं हटाया जा सकता। इसलिए दूसरे वार्ड सदस्य को सौंपा गया कार्यभार का आदेश रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कार्यवाहक प्रधान को बैठक आहूत करने और किसी भी तरह का निर्णय लेने पर रोक लगा दी है।

सद्भावना के सिपाही संगठन की आम सभा आयोजित

जयपुर। सद्भावना के सिपाही संगठन की जयपुर जिला इकाई की आम सभा आयोजित कैलाश शर्मा (गुरूजी) अध्यक्ष और अजय सक्सेना कार्यकारी अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित सद्भावना और सामाजिक सरोकारों के लिए समर्पित सद्भावना के सिपाही संगठन की जयपुर जिला इकाई की आम सभा आज सादगी और उत्साह के साथ आयोजित की गई। संगठन के राष्ट्रीय प्रमुख पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा के नेतृत्व में संचालित इस संगठन की बैठक में विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। आम सभा में सर्वसम्मति से वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाश शर्मा (गुरूजी) को जिला अध्यक्ष तथा एडवोकेट अजय सक्सेना को कार्यकारी अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने संगठन के संस्थापक स्व. सुनील दत्त की जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष कैलाश शर्मा (गुरूजी) एवं कार्यकारी अध्यक्ष अजय सक्सेना को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज में आपसी सद्भाव, सेवा और सकारात्मक बदलाव लाना है।

डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन 25 से 27 जुलाई तक

जयपुर। विगत तीन वर्षों से जयपुर में डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता ने अपने म्यूजिकल मैचों की अनूठी संकल्पना के चलते अब तक बहुत सराहना बटोरी है।

डी एम पी एल के संयोजक डॉ संदीप निझावन ने बताया कि सफलता के इसी क्रम को जारी रखते हुए इस वर्ष भी 25 से 27 जुलाई तक के चौथे संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में किया जाएगा। लीग चेयरमैन डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग डॉक्टर्स द्वारा डॉक्टर्स के लिए आयोजित होने वाली अनोखी गायन प्रतियोगिता है, जहाँ दिन में चिकित्सकीय कौशल दिखाने वाले करीब 200 डॉक्टर्स शाम को अपने सुरों का कौशल दिखाएँगे।

लीग के चीफ कोऑर्डिनेटर डा. हरीश भारद्वाज ने बताया की प्रतियोगिता की रूपरेखा तय हो चुकी है, लीग में टीम इवेंट्स के अलावा व्यक्तिगत प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी जिसके अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों में एकल व युगल गायन प्रतियोगिता का ऑडिशन 6 जुलाई को किया जाएगा।

प्रतियोगिता के चीफ कॉर्डिनेटर डॉ हर्षुल टाक व डॉ रवींद्र सिसोदिया ने बताया कि, प्रतियोगिता में आठ फ्रेंचाइजी टीमें भाग ले रही हैं जो कि खुले ऑक्शन के माध्यम से डॉक्टर-गायकों का चयन कर अपनी-अपनी टीमें बनाएँगीं। टीमों का ऑक्शन 13 जुलाई को आयोजित किया जायेगा।

■ **चौथे संस्करण के टीम इवेंट का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में किया जाएगा**

आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव ने जानकारी दी कि, पिछले साल की तरह इस बार भी का आयोजन जयपुर में झालाना स्थित, राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर में किया जायेगा। डॉ अनिल ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली आठ अस्पतालों की टीमें निम्न प्रकार होंगीं। टीम सीता देवी अस्पताल, कृष्णा, आँगन मेडिनोवा, निविक, पिंक स्टार, कार्डियो-बज़, सेवायतन व टीम ए एल सी एस - एस आर के अस्पताल। इस वर्ष नवाचार के तहत ओपन माइक इवेंट में स्टैंडअप कॉमेडी, शायरी व मिमिक्री आदि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे।

पीजी कोर्स के बाद डॉक्टर्स सेवाएं नहीं दे तो दस लाख रुपए करें अदा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज सहित अन्य अन्य मेडिकल कॉलेजों से पीजी कोर्स करने के बाद सीनियर रेजिडेंट शिप नहीं करने से जुडे मामले में राज्य सरकार को उनके मूल दस्तावेज लौटाने को कहा है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता राज्य सरकार को यह अंडरटेकिंग दें कि यदि वे एसआरशिप ज्वाइन नहीं करेंगे तो दस लाख रुपए की बॉन्ड राशि का भुगतान करेंगे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. सैयद शाबाज सहित करीब दो सौ से अधिक याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। वहीं अदालत ने राज्य सरकार की पुनर्विचार अर्जी को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह मुद्दा खंडपीठ में लंबित चल रहा है। ऐसे में एकलपीठ इसमें आदेश पारित नहीं कर सकता।

याचिका में अधिवक्ता कुशाग्र शर्मा और पूर्व माथुर ने बताया कि पीजी कोर्स में प्रवेश के समय याचिकाकर्ताओं से दस लाख रुपए का बॉन्ड लिया जाता है कि यदि वे कोर्स के बाद दो साल तक राज्य सरकार को सेवा नहीं दें तो इस राशि का भुगतान राज्य सरकार के पक्ष में किया जाए। इसके साथ ही याचिकाकर्ताओं से उनके मूल दस्तावेज भी जमा करा लिए जाते हैं। याचिका में कहा गया कि मूल दस्तावेज रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। वहीं नेशनल मेडिकल कमिशन ने भी इस दस्तावेज रोकने की कोई व्यवस्था नहीं दी है। इसके अलावा हाईकोर्ट की एकलपीठ पूर्व में भी दस्तावेज जारी करने के निर्देश दे चुका है।

सार-समाचार

राजस्थान हाई कोर्ट ने पोस्को की एफ.आई.आर. क्वेस (खत्म) करवाई

जयपुर। आमेर पुलिस थाने में परिवादिया ने एक एफ.आई.आर. सं. 552/2022 दिनांक 24/11/2022 को धारा 376 (2) (एन) 506 आई पी सी और 3,4,5 (प्रथम), 6, पोस्को और सैक्शन 66 डी, 67 आई. टी. एक्ट में दर्ज करवाई जिस पर अभियुक्त की जमानत राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर से एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल ने करवाई थी इसके बाद पुलिस ने जुर्म प्रमाणित मानते हुए स्पेशल पोस्को कोर्ट संख्या 2 जयपुर महानगर-द्वितीय जयपुर चलान पेश किया इसके बाद एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल फागी ने राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर में उक्त एफ.आई.आर. को खत्म करवाने के लिए 482 की कार्यवाही करी जिसमें राजस्थान हाई कोर्ट ने पोस्को कोर्ट की प्रोसेडिग को स्टे किया और उसके बाद एडवोकेट राजेन्द्र कुमार सोयल ने उक्त एफ.आई.आर. को राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर के न्याधिपति अनूप कुमार ढंड से विवाह के राजीनामे के आधार पर खत्म करवाई।

हाई मास्क लाइट का उद्घाटन

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित जयपुर नगर निगम ग्रेटर के वार्ड नंबर 31 के अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया रोड झोटवाड़ा थाना के पास हाई मार्क्स लाइट का उद्घाटन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं जोधपुर संभाग के प्रभारी विक्रम सिंह जी शेखावत के द्वारा साइन कल 7:00 बजे स्विच ऑन कर किया गया। उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद वार्ड नंबर 31 के पार्षद लादूराम जी दुलारिया के प्रयासों की उपस्थित सभी लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की इस अवसर पर पार्षद लियाकत अली ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र पाल सिंह जादौन एवं उनकी कार्यकारिणी के सदस्य पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कैलाश शर्मा गुरुजी लक्ष्मण सिंह जी जोधा रामकुमार जी शर्मा मंजू शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस जनों ,वार्ड के निवासियों ने भाग लिया वार्ड नंबर 31 के पार्षद लादू राम दुलारिया जी ने उपस्थित सभी प्रबुद्ध जनों का मलयार्पण कर एवं सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

परिंदों के लिए परिण्डे बांधे

जयपुर। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन के बैंक कर्मचारी नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस व तारक दा जन्म शताब्दी अवसर पर राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लाईज यूनियन के चेयरमैन आर जी शर्मा, सचिव महेश शर्मा, उप महासचिव सूरज भान सिंह आमेरा , एम एस भटेजा , रविदीप चतुर्वेदी , रवि कटारिया ,बनवारी लाल, दिलीप जादम पदाधिकारियों के साथ बैंक कर्मियों व महिला विंग संयोजक मेघा मलिक, शिखा बंसल के साथ विभिन्न बैंकों की महिला कर्मियों ने विजयाराजे सिन्धिया पार्क मानसरोवर में अशोक , पीपल व जामुन के पोधें लगाकर वृक्षारोपण किया, साथ ही पक्षियों के लिए दाना- पानी के परिण्डे बांधकर उनमें दाना डाला गया। लगाए गए पेड़ो की देख भाल सम्हाल के लिए पार्क के माली की सेवाएँ सुनिश्चित की गई। एआईबीईए के स्वर्गीय महासचिव तारकेश्वर चक्रवर्ती की जन्म शताब्दी वर्ष में पूरे वर्ष देश के सभी राज्यो में सामाजिक सरोकार के विभिन्न कार्यक्रम होंगे आमेरा ने बताया कि देश के बैंक कर्मियों का सबसे पुराना 20अप्रैल 1946 व सबसे बड़ा एकमात्र संगठन है जो बैंक व बैंकर्मियों की सुरक्षा , समृद्धि व संरक्षण के साथ साथ देश -दुनिया में प्राकृतिक आपदा सुनामी से बाढ़ भूकम्प में व कोविड से लेकर युद्ध काल तक में तन -मन-धन से सभी सामाजिक सरोकारों में अपनी राष्टवादी भूमिका पूरी शिद्दत से निभाता आया है।

कृषक नवीन तकनीकी को अपनाकर वैज्ञानिक तरीके से करे खेती : राजन विशाल

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को जयपुर के बसेडी, बस्सी झाझडा, गुढा कुमावतान क्षेत्रों का भ्रमण किया। उनके द्वारा राजस्थान सरकार द्वारा संचालित हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा में कृषक अशोक निठारवाल के खेत पर स्थापित ग्रीन हाउस, फार्म पोण्ड , ड्रिप संयंत्र तथा अन्य उद्यानिकी गतिविधियों का निरीक्षण किया गया।

■ **शासन सचिव ने हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा क्षेत्र के चयनित कृषकों के साथ कृषक गोष्ठी का आयोजन कर किसानों से संवाद किया**

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने जयपुर के बसेडी, बस्सी झाझडा, गुढा कुमावतान क्षेत्रों का दौरा किया।

शासन सचिव ने हाईटेक हॉर्टिकल्चर मॉडल कलस्टर बस्सी झाझडा क्षेत्र के चयनित कृषकों के साथ कृषक गोष्ठी का आयोजन कर किसानों से संवाद किया। कृषकों द्वारा उद्यानिकी विकास की गतिविधियों का लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा किसानों को ग्रीन हाउस में फसल विविधिकरण के तहत खीरा फसल के अलावा शिमला मिर्च, कटफ्लोवर (डचरोज), ब्लैकबेरी आदि फसले लेने हेतु प्रेरित किया गया ताकि किसानों को अधिक आर्थिक लाभ हो। गोष्ठी में किसानों से ग्रीन हाउस के आर्थिक मूल्यांकन पर भी चर्चा की गई।

राजन विशाल ने कृषक भैरूराम थाकण द्वारा गर्मी में बोये गये खीरें के खेत एवं कटफ्लोवर (डचरोज) के खेत का भ्रमण किया तथा कटफ्लोवर (डचरोज) के विपणन के बारे में किसानों को स्थानीय होटल व्यवसायियों से सम्पर्क कर विपणन किये जाने की सलाह दी। कृषक भैरूराम थाकण, ग्राम बसेडी के खेत पर ही स्थापित पी.एम.कुसुम कम्पोनेन्ट 'बी' के तहत सौर उर्जा पम्प संयंत्र का निरीक्षण किया। शासन सचिव द्वारा सभी किसानों को संरक्षित खेती के तहत उत्तरोत्तर वृद्धि किये जाने हेतु उद्यानिकी की नवीनतम तकनीकी अपनाते हुये वैज्ञानिक तरीके से खेती किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। किसानों द्वारा डचरोज को लम्बे समय तक संरक्षित रखने हेतु कोल्ड स्टोरेज व रेफ्रीजरेटेड वैन पर अनुदान दिये जाने की मांग की गई। किसानों की मांग पर शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनान्तर्गत कोल्ड स्टोरेज व रेफ्रीजरेटेड वैन पर अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। अत: कृषक इस हेतु आवेदन कर अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते है ताकि कृषकों को डचरोज के विपणन में कोई असुविधा न हो। उक्त भ्रमण के दौरान संयुक्त निदेषक उद्यान प्रदीप कुमार अग्रवाल, संयुक्त निदेषक उद्यान (मु0) दानवीर वर्मा एवं उप निदेषक उद्यान दुर्गापुरा, जयपुर, हरलाल सिंह बिजारनियाँ उपस्थित रहे।

राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को धर-दबोचा

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को धर-दबोचा है। साथ ही पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित वारदात के दौरान रेंटल कारों का उपयोग करते है। पुलिस पूछताछ में अब तक आधा दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुके है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

■ **पूछताछ में करधनी,मुरलीपुरा, करणी विहार सहित अन्य थाना इलाके में आधा दर्जन से अधिक लूटपाट की वारदातों को अंजाम देना कबूला है।**

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात्रि के समय राहगीरों का अपहरण कर लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

उन्होंने पूछताछ में करधनी,मुरलीपुरा,करणी विहार सहित अन्य थाना इलाके में आधा दर्जन से अधिक लूटपाट की वारदातों को अंजाम देना कबूला है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित वारदात के लिए रेंटल पर गाड़ी लेते है और रात के समय गाडी में सवार होक सुनसान जगहों से गुजर रहे राहगीरों को पता पूछने के बहाने रूकवाकर उन्हें जबरन गाडी में बैठा कर उनके साथ मारपीट कर उनसे नकद राशि,आभूषण एवं मोबाइल सहित अन्य सामान लूट लेते है और साथ ही फोन पे के पासवर्ड प्राप्त कर खाते से जमा रुपये की अपने खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

13 लाख रूपये का अवैध मादक पदार्थ पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध अफीम का दूध जब्त, तस्करी के परिवहन में प्रयुक्त वाहन कार जब्त की

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के कब्जे से 13 लाख रूपये का 8.600 किलो अवैध अफीम का दूध जब्त किया है। वहीं अवैध मादक पदार्थ तस्करी के परिवहन में प्रयुक्त वाहन कार जब्त की है।

जानकारी के अनुसार मेवाड़ से मारवाड़ लाई जा रही अवैध मादक पदार्थ अफीम के दूध की खैप को पुलिस ने ज़ब्त किया है। जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृत्ताधिकारी के निकट सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना साकेतनगर मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्कारों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करते हुए दो तस्कारों के कब्जे से 8.600 किलोग्राम अवैध अफीम का दूध जब्त

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

कर परिवहन में प्रयुक्त वाहन कार जब्त की है। शुक्रवार को जिला स्पेशल टीम को सूचना मिली की एक सफेद कार जो बिजयनगर की तरफ से आ रही है जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा हो सकता है। जिस पर जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी पुलिस थाना साकेत नगर मय टीम द्वारा बिजयनगर पुलिया के नीचे नाकाबन्दी शुरू की तो कुछ ही समय में एक सफेद कलर की कार आई जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने को ईशारा करने पर कार चालक ने पुलिस नाकाबंदी को तोड़ कर कार को भगा लिया, जिसका पुलिस टीम द्वारा करीब 15 किलोमीटर पीछा कर कार को रूकवाया जाकर चैक किया तो वाहन में दो व्यक्ति सवार मिले जिनसे वाहन को नाकाबंदी तोड़ कर वाहन को भगाने का कारण पूछने पर कोई सन्तोषप्रद जवाब नहीं देने पर वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध मिला। जिसको जब्त कर दोनों तस्कारों मुकेश पुत्र पुखाराम सिरवी निवासी चाटेलाव पुलिस थाना जैतपुर जिला पाली, श्यामलाल पुत्र खुमाराम सिरवी निवासी चाटेलाव पुलिस थाना जैतपुर जिला पाली को गिरफ्तार किया जाकर परिवहन में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया।

कोर्ट ने थाना ब्यावर शहर द्वारा प्रस्तुत एफआर अस्वीकार की

- चैक अनादरण के मामले में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं. 3 का ऐतिहासिक फैसला
- अब चैक अनादरण के मुकदमे के साथ धारा 420 भा.द.स. का मुकदमा भी चलेगा

ब्यावर, (निसं)। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सं. 3 ने पुलिस थाना ब्यावर सिटी की एफआर को अस्वीकार कर दिया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध प्रसंज्ञान लेकर तलब किया है। इस प्रकरण में पुलिस द्वारा प्रकरण को सिविल नेचर का बताते हुए न्यायालय में एफआर पेश कर दी थी।

जिस पर परिवादी संजय कुमार बुरड़ ने अपने अधिवक्ता नीलेश बुरड़ के जरिये न्यायालय में विरोध याचिका प्रस्तुत की व पुलिस द्वारा प्रस्तुत एफआर को अस्वीकार करने के संबंध में अपने तर्कों, दलीलों व सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक दृष्टांतों को प्रस्तुत किया। जिससे सहमत होते हुए न्यायालय ने रानी निवासी अभियुक्त राकेश कुमार जैन पुत्र हस्तीमल, निवासी हींगड मौहल्ला, न्याती नोहरे के सामने, मैन बाजार, रानी जिला पाली के विरूद्ध प्रसंज्ञान लिया। अब अभियुक्त के विरूद्ध चैक अनादरण के अतिरिक्त उसी चैक को लेकर एक और फौजदारी कार्यवाही अन्तर्गत धारा 420 भारतीय दण्ड संहिता भी चलेगी।

प्रकरण में परिवादी संजय कुमार बुरड एवं अभियुक्त राकेश कुमार जैन एक ही समाज के व्यक्ति होने एवं एक ही तरह का व्यापार होने से एक दूसरे से परिचित थे।

अभियुक्त ने अपनी निजी एवं घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु रूपयों की आवश्यकता होने पर परिवादी से 3,00,000 रूपये नकद उधार प्राप्त किये। उक्त उधार ली गई राशि के पुनर्भुगतान स्वरूप अभियुक्त द्वारा अपना हस्ताक्षर युक्त एक चैक परिवादी के पक्ष में यह विश्वास एवं भरोसा दिलाया जाकर जारी करके दिया गया कि उपरोक्त चैक से संबंधित देय राशि का भुगतान चैक की देय तिथि को या उसके पश्चात भुगतान की प्राप्ति के लिये संबंधित बैंक के समक्ष प्रस्तुत करने पर हर सूरत में अदा कर दिया जायेगा। तत्पश्चात उक्त चैक बैंक में भुगतान हेतु प्रस्तुत करने पर चेक अनादरित हो गया।

जिस पर परिवादी ने 138 एनआई एक्ट के तहत नोटिस देकर कोर्ट मे प्रकरण दर्ज करवाया, जो कि वर्तमान में न्यायालय में चल रहा है। इसके साथ ही परिवादी ने अपने अधिवक्ता नीलेश बुरड़ के माध्यम से अभियुक्त के विरूद्ध न्यायालय में एक इस्तगासा और प्रस्तुत किया।

जिस पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई जो कि बाद जांच पुलिस ने सिविल नेचर का मानते हुए एफआर लगा दी। जिस पर पीड़ित परिवादी ने न्यायालय के समक्ष विरोध याचिका प्रस्तुत की। जिसमें परिवादी अधिवक्ता के तर्कों व दलीलों से सहमत होते हुए न्यायालय ने विरोध याचिका को स्वीकार करते हुए पुलिस द्वारा प्रस्तुत एफआर को अस्वीकार कर दिया।

वीजा का झांसा देकर 29.50 लाख की ठगी, मामला दर्ज

- परिवादी आस्ट्रेलिया जाने के लिए 70 दिन तक वियतनाम में भटकता रहा

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुरानी आबादी थाने में बुधवार को एक युवक ने विदेश भेजने के नाम पर 29.50 लाख की ठगी का केस दर्ज करवाया है। परिवादी आस्ट्रेलिया जाने के लिए 70 दिन तक वियतनाम में भटकता रहा।

कोढियावाली पुली निवासी लवप्रीत सिंह ने बताया कि पुरानी आबादी निवासी तरणवीर सिंह, अमृतसर निवासी सुखविंद्र सिंह उर्फ लाडी, पंथ ओवरसीज अमृतसर की संचालक गुरप्रीत कौर और अमनवीर सिंह व जालंधर निवासी सोनू सिंह ने विदेश भेजने का झांसा देकर ठगी की। लवप्रीत ने बताया कि उसने 12वीं क्लास के बाद न्यूजीलैंड जाने की योजना बनाई थी। एक इमीग्रेशन सेंटर के जरिए आवेदन किया लेकिन वीजा नहीं मिला। इसी सेंटर पर तरणवीर से संपर्क हुआ। तरणवीर ने 24 अक्टूबर 2023 को अमृतसर के पंथ ओवरसीज इमीग्रेशन के संचालक गुरप्रीत कौर व अमनवीर से उसकी बात करवाई। आरोपियों ने पहले न्यूजीलैंड भेजने की बात कही। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की राशि ली गई। बाद में कहा गया कि न्यूजीलैंड का आवेदन रिजेक्ट हो गया है। इसके बाद तरणवीर सिंह ने आस्ट्रेलिया का वर्क व हॉलीडे वीजा दिलवाने का झांसा दिया।

तरणवीर ने बताया कि इसके लिए दो बार तीन-तीन लाख रुपए लिए गए। इसके बाद 23 लाख रुपए की मांग की गई। तरणवीर व उसके परिजनों ने यह राशि जालंधर में सोनू सिंह के ऑफिस में जमा करवा दिए। ऑनलाइन सामान बेचने वाली कंपनी के साथ डिलीवरी का काम करने वाले व्यक्ति ने अपने कांट्रेक्ट के आखिरी सप्ताह में 22.26 लाख की ठगी कर डाली। अब कंपनी की ओर से फर्म के संचालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया है। आरोपी राजेंद्र कुमार निवासी ड्रीम्स होम्स के खिलाफ सदर थाना में केस दर्ज किया गया। ई कॉमर्स कंपनी की सहायक कंपनी के प्रतिनिधि चंद्रप्रकाश सिंह ने पुलिस को बताया कि राजेंद्र कुमार बतौर सेवा प्रदाता जुड़ा था।

1 अप्रैल 2024 से राजेंद्र कुमार कंपनी के साथ काम करने लगा। कंपनी ने कैश ऑन डिलीवरी मॉडल के तहत ग्राहकों के पास पैकेज पहुंचाने की जिम्मेदारी दी थी। इन्हीं कैश ऑन डिलीवरी पैकेज की पेमेंट जमा न करवाने पर केस दर्ज हुआ है। कंपनी और राजेंद्र कुमार के बीच करार 31 मार्च 2025 को समाप्त होना था। प्रतिनिधि ने बताया कि मार्च 2025 के आखिरी सप्ताह में राजेंद्र कुमार को कुल 708 पैकेज सौंपे गए। इनकी डिलीवरी पर 2225896 की राशि इकट्ठी हुई। कंपनी पॉलिसी के अनुसार नकद राशि अगने दिन कंपनी या उसके कैश कलेक्शन पार्टनर को सौंपी जानी थी। आरोप है कि राजेंद्र ने यह राशि जमा नहीं करवाई और बहाने बनाकर कंपनी प्रतिनिधि को टालता रहा।

लवप्रीत ने बताया कि उसे जल्द वीजा आने का झांसा दिया गया। इसके लिए वह 10 दिन तक दिल्ली में बैठा रहा। दो बार एयरपोर्ट तक बुलाकर वापिस लौटा दिया। इसके बाद कहा गया कि पहले वियतनाम जाना होगा। वहां सुखविंद्र सिंह नामक व्यक्ति आगे आस्ट्रेलिया जाने की व्यवस्था करेगा। 31 दिसंबर 2024 को लवप्रीत वियतनाम चला गया। सुखविंद्र सिंह को फोन लगाया तो उसने एक होटल का कार्ड भेजकर रुकने के लिए कहा। लवप्रीत ने बताया कि होटल में 8-10 लड़के आस्ट्रेलिया जाने की आस में रुके हुए थे। परिवादी ने बताया कि तरणवीर, गुरप्रीत, अमनवीर और सुखविंद्र सिंह उसे झूठा आश्वासन देते रहे और 70 दिन तक वह वियतनाम में ही रहा। 10 मार्च 2025 को वापिस लौट आया। इसके बाद कई बार पंचायती हुई लेकिन आरोपी राशि वापिस करने के आश्वासन ही देते रहे। अब इन लोगों ने विदेश भेजने या राशि वापिस करने से स्पष्ट इंकार कर दिया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की पत्नी प्रीति कुमारी का हुआ अंतिम संस्कार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अंत्येष्टि में शामिल हुए, शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया

नागौर, (निसं)। राज्य सरकार के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की पत्नी प्रीति कुमारी का गमगीन माहौल में शुक्रवार को अंतिम संस्कार हुआ। बेटे धनंजय सिंह खींवसर ने मुखाग्नि दी। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने और इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की।

- गमगीन माहौल में बेटे धनंजय सिंह ने मुखाग्नि दी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रीति कुमारी की अंत्येष्टि में शामिल होकर पार्थिव देह के अंतिम दर्शन किए।

इससे पहले खींवसर फोर्ट में प्रीति कुमारी की पार्थिव देह अटल भवन के सामने सुबह नौ बजे अंतिम दर्शनों के लिए रखी गई। बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शनों के लिए पहुंचे। सुबह 10 बजे प्रीति कुमारी की अंतिम यात्रा खींवसर फोर्ट स्थित निवास से रवाना होकर पांचला सिद्धा रोड, शिव चौक, गणेश चौक, शनि चौक, सदर बाजार, बस स्टैंड होते हुए पदमसर चौराहा स्थित मोक्षधाम पहुंची, जहां उनके बेटे धनंजय सिंह खींवसर ने मुखाग्नि दी। प्रीति कुमारी का गुरुवार तड़के निधन हो गया था। खींवसर के व्यापारी और दुकानदारों ने प्रीति कुमारी के निधन पर गुरुवार सुबह से ही बाजार बंद रखे, वहीं शुक्रवार को भी दुकानें नहीं खोली।

जानकारी के अनुसार खींवसर के पूर्व राजपरिवार की बहू प्रीति कुमारी का 64 साल की आयु में जयपुर स्थित आवास पर साइलेंट अटैक से बुधवार देर रात निधन हो गया था। गुजरात में गाफ के पूर्व राजघराने की बेटी प्रीति कुमारी का जन्म 4 जनवरी 1961 हुआ था। प्रीति कुमारी की शादी 25 फरवरी 1982 को खींवसर के पूर्व राजपरिवार के बेटे गजेंद्र सिंह के साथ हुई थी। गजेंद्र सिंह वर्तमान में राजस्थान के चिकित्सा मंत्री हैं। दिवंगत प्रीति कुमारी के दो बच्चे, बेटा धनंजय सिंह और बेटी उर्वशी कुमारी सिंह हैं। धनंजय सिंह फिलहाल जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं और खींवसर फाउंडेशन को बतौर संस्थापक संभाल रहे हैं। उर्वशी कुमारी सिंह हिमाचल प्रदेश में एक हिल स्टेशन पर होटल व्यवसाय संभालती हैं। धनंजय सिंह की पत्नी मृगेशा सिंह और उनके तीन बच्चे हैं।

इन पूर्व राजघरानों से विशेष जुड़ाव :- खींवसर का पूर्व राजपरिवार का विशेष रूप से जोधपुर के पूर्व राजघराने से अहम जुड़ाव है। इसके अलावा बीकानेर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, कोटा, झालावाड़, मप्र के ग्वालियर, उप्र के झांसी और गुजरात के राजकोट व गाफ के पूर्व राजपरिवारों से भी करीबी जुड़ाव है। प्रीति कुमारी के निधन की सूचना मिलते ही जोधपुर के पूर्व राजघराने की हेमलता राजे और बीकानेर के पूर्व राजघराने से सिद्धि कुमारी खींवसर पहुंच गई थी।

सीएम भजनलाल शर्मा अंतिम संस्कार में हुए शामिल :- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को खींवसर (नागौर) में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की पत्नी प्रीति कुमारी की अंत्येष्टि में शामिल हुए और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने खींवसर में मोक्षधाम पहुंच कर प्रीति कुमारी की पार्थिव देह के अंतिम दर्शन किए और पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पीएचईडी मंत्री व नागौर जिला प्रभारी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, कृषि राज्यमंत्री केके विश्नोई, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, झालावाड़ सांसद दुष्यंत सिंह, आरपीएससी सदस्य केसरी सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्रसिंह राठौड़ और अरुण चतुर्वेदी, डीडवाना विधायक यूनुस खान, खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू, सिकराय विधायक विक्रम बंसीवाल, किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी, आरएसएस के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम, कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी अंत्येष्टि में शामिल हुए।

पाली कारागृह का निरीक्षण

- भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था की जानकारी ली

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार ऋचा चौधरी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पाली द्वारा आज जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 100 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पाली द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इस को लेकर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पाली द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया।

साथ ही इस बात की भी जानकारी ली गई कि 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति जिला कारागृह में निरूद्ध न रहे। सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है। इस अवसर पर निरीक्षण में जोराराम कारापाल जिला कारागृह पाली, डॉ. जसाराम चिकित्सक जेल डिस्पेंसरी पाली, जेल विजिटिंग लॉयर वैशाली व्यास, अल्ताफ हुसैन आदि उपस्थित रहे।

उपचार करवाने गई महिला के साथ डॉक्टर ने अभद्रता की

पाली, (निसं)। पाली जिला कांग्रेस की महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष रेखा परिहार के साथ अभद्र व्यवहार करने के आरोपी डॉक्टर रमेशचंद्र को सीएमएचओ डॉक्टर विकास मारवाल ने एक आदेश जारी कर शुक्रवार को एपीओ किया।

जानकारी के अनुसार कांग्रेस की पूर्व महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा परिहार को बीपी की तकलीफ हुई तो वह अपने भाई और अन्य रिश्तेदार के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बूसी में गुरुवार रात को पहुंची, जहां कार्यरत डॉ. रमेश चन्द्र, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी और नर्सिंगकर्मी ने अभद्र व्यवहार और गाली-गलौच की और इलाज नहीं किया। इसको लेकर वीडियो भी सामने आया। रात को रानी थाना पुलिस की बुलाया गया और उनकी गाड़ी दिलवाई गई तब जाकर वे इलाज के लिए पाली पहुंचे। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में पूर्व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा कांग्रेस रेखा परिहार का इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर कांग्रेस नेता चुन्नीलाल चाड़वास, महबूब टी आदि पहुंचे और मामले में शुक्रवार को जिला कलेक्टर मंत्री को ज्ञापन सौंपा और दोषी डॉक्टर और नर्सिंगकर्मी के खिलाफ करवाई को लेकर ज्ञापन दिया। इस मौके बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे।

मामले में सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया। जिसमें डॉ. रमेश चन्द्र, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बूसी को 5 जून की रात्रि में महिला मरीज व उनके परिजनों के साथ किए गए गाली-गलौच, अभद्र व्यवहार को लेकर आदेशों की प्रतिक्षा किया जाकर उनका मुख्यालय संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, जोन जोधपुर कार्यालय किया है। डॉ. रोहिताश बाहरठ, चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बूसी को अग्रिम आदेशों तक चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, सामुदायिक स्वा. केन्द्र, बूसी का दायित्व दिया।

नोटिस जारी

अजमेर, (कासं)। गिवअप अभियान के अन्तर्गत जिला रसद अधिकारी द्वितीय नीरज जैन के द्वारा 458 व्यक्तियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। जैन ने बताया कि खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता खो चुके 3696 परिवारों के 13892 सदस्यों ने सरकार की प्रस्तावित कार्यवाही के डर से स्वेच्छा से अपने नाम हटवा लिए हैं। कोई परिवार पात्रता नहीं रखने के बावजूद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ लेता है तो उस पर विभाग कार्यवाही के साथ बाजार दर के हिसाब से वसूली की जाएगी।

आरपीएससी : बिना योग्यता आवेदन किया है तो परीक्षाओं से डिबार हो सकते हैं अभ्यर्थी

- आयोग द्वारा डिबार किए गए अभ्यर्थियों की सूचना अन्य सरकारी भर्ती एजेंसियों के साथ भी साझा की जाती है

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में बिना वांछित योग्यता व अनुभव के आवेदन करने पर आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं से डिबार किया जा सकता है। आयोग द्वारा डिबार किए गए अभ्यर्थियों की सूचना अन्य सरकारी भर्ती एजेंसियों के साथ भी साझा की जाती है। इस कारण ऐसे अभ्यर्थी उन परीक्षाओं से भी वंचित हो सकते हैं, जिसके लिए वे वास्तव में पात्र हैं। हालांकि अभ्यर्थियों के हितार्थ आयोग द्वारा आवेदन विदड्रा करने का अवसर अभ्यर्थियों को वर्तमान में दिया जा रहा है। इस पर भी अनेक अपात्र आवेदकों द्वारा लापरवाही बरतते हुए आवेदन विदड्रा नहीं किए जा रहे हैं। निर्धारित अवधि में आवेदन विदड्रा न करने पर अपात्र आवेदको के विरूद्ध डिबार के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 के अन्तर्गत भी कार्यवाही की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा माह अक्टूबर 2024 मे भी असिस्टेंट प्रोफेसर (संस्कृत कॉलेज एजुकेशन) परीक्षा- 2024 अन्तर्गत ऐसे ही 14 अभ्यर्थियों के विरूद्ध न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-संख्या 3, अजमेर में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 में परिवाद प्रस्तुत किया हुआ है।

आईटी शाखा द्वारा विशेष सॉफ्टवेयर एवं एआई तकनीक से आवेदनों की जांच :- आयोग की आईटी शाखा द्वारा विभिन्न भर्तियों के तहत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की रेंडम जांच निरंतर की जा रही है। इसके लिए विभिन्न नवाचारों के साथ विशेष सॉफ्टवेयर एवं एआई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। उक्त भर्तियों में प्राप्त आवेदनों की रैंडम/सेम्पल जांच में यह पाया गया कि अनेक आवेदकों के पास अनिवार्य योग्यता व अनुभव नहीं होने के उपरांत भी उनके द्वारा आवेदन किया गया है।

आवेदनों की जांच दौरान यह सामने आया कि अपात्र अभ्यर्थियों द्वारा अनर्गल रूप से विभिन्न भर्तियों में आवेदन किए गए हैं। इनमें से कई अभ्यर्थियों द्वारा 3-4 भर्तियों जिनकी वांछित शैक्षणिक योग्यता पूरी तरह भिन्न- भिन्न है, उनमें भी आवेदन किए गए हैं। ऐसे ही अभ्यर्थी जसवंत गरासिया पुत्र स्व. कामजी गरासिया निवासी ग्राम गराडिया, वार्ड नं. 4 पोस्ट महूडी वाया कालिंजरा तहसील सज्जनगढ़, बांसवाड़ा तथा खैलेन्द्र प्रसाद पुत्र रघुनाथ प्रसाद निवासी शीतला माता मंदिर के पास, रैगर मौहल्ला, सांभर लेक, जयपुर का प्रकरण भी आयोग द्वारा पकड़ा गया है। विभिन्न भर्ती परीक्षाओं अन्तर्गत जारी की गई अपात्र अभ्यर्थियों की सैंपल सूची आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जसवंत गरासिया की शैक्षणिक योग्यता बीए है। इसके बाद भी इनके द्वारा सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग) भर्ती-2024 तक में ऑनलाइन आवेदन किया गया है, जबकि इस पद के लिए विज्ञापन अनुसार अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता "फर्स्ट क्लॉस डिग्री इन नेचुरल ऑर एग्रीकल्चर साइंस अथवा फर्स्ट क्लास मास्टर डिग्री इन इंजीनियरिंग ऑर टेक्नोलॉजी अथवा फर्स्ट क्लास एमएससी/एमटेक (विथ ग्रेजुएट डिग्री इन साइंस एंड इंजीनियरिंग) इन रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस फ्रॉम ए रिकॉग्नाइज्ड यूनिवर्सिटी ऑर इक्विलेंट तथा रिसर्च एंड डेवलपमेंट/इंडस्ट्रियल/एकेडमिक इंस्टीट्यूशन/साइंस एंड टेक्नोलॉजी आर्गेनाइजेशन में 2 वर्ष का स्पेशलाइज्ड अनुभव" वांछित है। इनके द्वारा असिस्टेंट टेस्टिंग ऑफिसर, जूनियर केमिस्ट के लिए भी ऑनलाइन आवेदन किया गया है।

एक अन्य आवेदक खैलेन्द्र प्रसाद की शैक्षणिक योग्यता बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग है। इसके बावजूद उन्होंने सहायक परीक्षण अधिकारी के पद जिसकी अनिवार्य योग्यता "एमएससी इन जियोलॉजी ऑर एमएससी इन केमिस्ट्री तथा 2 इयर्स एक्सपीरियंस इन टेस्टिंग ऑफ सोइल/एग्रीगेट्स इत्यादि इन केस ऑफ-आइदर एमएससी जियोलॉजी और एमएससी केमिस्ट्री" है तथा जूनियर केमिस्ट के पद जिसकी अनिवार्य योग्यता "एमएससी इन इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री ऑर एनालिटिकल केमिस्ट्री तथा 2 इयर्स ऑफ एक्सपीरियंस ऑफ वॉटर एंड सिलिकेट एनालिसिस" है के लिए अपात्र होते हुए भी आवेदन किया गया है।

आयोग सचिव ने वास्तविकता जानने के लिए जब जसवंत गरासिया से आवेदन में दिए फोन नंबर पर संपर्क किया तो अभ्यर्थी ने स्वयं की शैक्षणिक योग्यता बीए ही बताई और ऑनलाइन आवेदन के संबंध में अनभिज्ञता जाहिर करते हुए टालमटोल करने लगा। ऐसे ही एक अन्य प्रकरण में एक अभ्यर्थी ने मात्र चतुर्थ श्रेणी भर्ती में ऑनलाइन आवेदन किए जाने एवं आयोग में उसके द्वारा किए गए अन्य आवेदनों के संबंध में जानकारी तक नहीं होने का हवाला दिया। हालांकि भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आवेदक को स्वयं की एसएसओ आइडी के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल पर जाकर ही करने होते हैं। आवेदन फाइनल सबमिट करने से पूर्व भी ओटीपी के माध्यम से प्रतिपुष्टि की जाती है।

एनसीटीई ने बीकानेर के सरकारी बीएड कॉलेज की मान्यता समाप्त की

बीकानेर, (निसं)। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने बीकानेर के सरकारी बीएड कॉलेज की मान्यता समाप्त कर दी है। एमएड पाठ्यक्रम के साथ-साथ अब इस साल बीएड कोर्स में भी दाखिले नहीं होंगे। एनसीटीई की अपील समिति ने शिक्षा विभाग की अपील को खारिज करते हुए वेस्टर्न रीजनल कमेटी (डब्ल्यूआरसी) के मान्यता वापसी के निर्णय को उचित ठहराया है। दोनों सरकारी बीएड कॉलेज में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम की 150-150 सीटें स्वीकृत हैं। जबकि एमएड पाठ्यक्रम में 50-50 सीटें निर्धारित हैं।

दोनों अपील आदेशों में अपीलों को खारिज करने का जो आधार बताया गया है उसके तहत बीएड व एमएड दोनों ही पाठयक्रमों के लिए जो शिक्षक हैं वे स्कूल के शिक्षक हैं जिन्हें सीमित अवधि के लिए स्कूलों से इस कॉलेज में लगाया गया है। अपील समिति ने अपने आदेश लिखा कि संस्थान 1998 से बीएड व 2000 से एमएड पाठयक्रम संचालित कर रहा है लेकिन इन पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों का न चयन किया गया व न ही नियुक्ति की गई। एक नियामक संस्थान द्वारा की गई यह टिप्पणी राजस्थान सरकार की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर चोट है।

जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल 2012 से बीएड व एमएड पाठ्यक्रम को उच्च शिक्षा के अधीन कर दिया गया है। राजस्थान टीटी कॉलेज बीकानेर और अजमेर के सरकारी बीएड कॉलेज में अभी भी उच्च माध्यमिक स्कूलों का स्टाफ लगा हुआ है। अजमेर के सरकारी बीएड कॉलेज की अपील पर अभी तक फैसला नहीं हुआ है। विदित रहे कि एमएड पाठ्यक्रम की मान्यता पिछले साल ही खत्म कर दी गई थी। इस कारण पिछले साल में एमएड के प्रवेश नहीं हुए। जब इस मसले पर एक्सपर्ट से जाना तो सामने आया कि शिक्षा विभाग ने नया स्टाफ तो दोनों कॉलेजों में लगाया। लेकिन यह स्कूल शिक्षा विभाग का स्टाफ अनिवार्य शर्तों को पूरा नहीं कर रहा है।

एक्सपर्ट ने बताया कि एनसीटीई के मापदंड के अनुसार शिक्षकों के पद प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसर स्तर के होने चाहिए व उनका चयन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग व संबद्धता प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय के नियमानुसार गठित चयन समिति के द्वारा होना चाहिए। इस अनिवार्य शर्त की पूर्ति यहां नहीं हो रही है। यही कारण है कि वर्ष 2023 से दोनों बीएड कॉलेजों के पास एनसीटीई की मान्यता नहीं है। न्यायालय में वाद के आधार पर पिछले साल बीएड पाठ्यक्रम में अभ्यर्थियों को प्रवेश मिला था। मान्यता वापसी के लिए हालांकि शिक्षा विभाग ने 10 मार्च को बीएड और एमएड पाठ्यक्रम के लिए दोनों सरकारी कॉलेजों में 68 शिक्षकों का अलग-अलग स्टाफ लगाया था। लेकिन यह स्टाफ केवल अस्थाई रूप से एक साल के लिए होने के कारण एनसीटीई ने शिक्षा विभाग की अपील को खारिज करते हुए मान्यता रद्द की है।

नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा की ओर से इस साल पीटीईटी की परीक्षा 15 जून को करवाई जाएंगी। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बीकानेर के सरकारी बीएड कॉलेज की मान्यता खत्म हो जाने के कारण अब यह कॉलेज पीटीईटी की काउंसलिंग में शामिल नहीं हो पाएगा। बीकानेर के सरकारी बीएड कॉलेज की मान्यता समाप्त होने से अब पीटीईटी परीक्षा के टॉपर स्टूडेंट्स को भी निजी कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। राज्य के 941 बीएड कॉलेजों में सरकारी कॉलेज सिर्फ दो ही है।

मैं कोई खास शैली नहीं अपनाना चाहता। मुझे खिलाड़ियों के साथ बात करना पसंद है उन्हें सुरक्षित महसूस कराना। एक कप्तान के तौर पर खिलाड़ियों के सात रिश्ता बनाना मेरे लिए अहम है। जब खिलाड़ी सुरक्षित होंगे तभी वे अपना 100 प्रतिशत देंगे। – शुभमन गिल

भारतीय बल्लेबाज, टेस्ट कप्तान बनने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ऋषभ पंत

रोहित और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बिना भारतीय टेस्ट टीम शुक्रवार सुबह इंग्लैंड के लिए रवाना हुई, जहां उसे पांच टेस्ट मैचों की अहम सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में न सिर्फ टीम की बल्लेबाजी और रणनीति की परीक्षा होगी, बल्कि ये भी देखना दिलचस्प होगा कि रोहित की कप्तानी और उनकी मौजूदगी की कमी को युवा खिलाड़ी कैसे भर पाते हैं। टीम के रवाना होने से पहले मुंबई एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी के चेहरों पर मुस्कान ला दी। नए टेस्ट उप कप्तान और विकेटकीपर ऋषभ पंत जो अपनी चुलबुली और बिंदास अंदाज के लिए जाने जाते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

बेंगलुरु भगदड़ का आरोपी निखिल सोसाले? कोहली-अनुष्का के साथ आ चुका है नजर

बेंगलुरु, 6 जून। आरसीबी ने पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचा। लेकिन इस ऐतिहासिक जीत की खुशी उस समय मातम में बदल गई जब 4 जून को बेंगलुरु में आयोजित विजय परेड से पहले भगदड़ मचने से 11 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। इस दुखत हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। वहीं अब पुलिस ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी करते हुए आरसीबी की मार्केटिंग टीम के हेड निखिल सोसाले को हिरासत में लिया। उनके साथ इवेंट मैनेजमेंट कंपनीक्के तीन कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया।

बता दें कि, 3 जून 2025 को आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर आईपीएल 2025 का खिताब अपने नाम किया। बेंगलुरु में फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर था। इस जीत का जश्न मनाने के लिए 4 जून को एक भव्य विजय परेड का आयोजन होना था। शुरुआत में इसे ओपन बस परेड के रूप में प्लान किया

गया था लेकिन बाद में योजना में बदलाव हुआ। परेड से पहले ही भारी भीड़ बेकाबू हो गई और देखते ही देखते भगदड़ मच गई। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।वहीं इस हादसे के बाद आरसीबी मैनेजमेंट, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और बीसीसीआई ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

मामला उस वक्त और गंभीर हो गया जब कर्नाटक हाईकोर्ट ने दखल दिया और 10 जून तक इस हादसे की पूरी रिपोर्ट मांगी। जांच में सामने आया कि विजय परेड की प्लानिंग में भारी लापरवाही बरती गई थी। पुलिस ने इस मामले में सबसे पहले आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसाले को गिरफ्तार कर लिया है।6 जून को निखिल को बेंगलुरु एयरपोर्ट से उस समय हिरासत में लिया गया जब वह कथित तौर पर मुंबई भागने की फिराक में थे। पुलिस के मुताबिक निखिल ने विजय परेड की प्लानिंग में अहम भूमिका निभाई थी लेकिन भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा इंतजामों में कमी के कारण हालात बेकाबू हो गए। उनके सात इवेंट कंपनी के तीन कर्मचारी किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू को भी हिरासत में लिया गया है।

बेंगलुरू भगदड़ मामले में आरसीबी के तीन अधिकारी गिरफ्तार

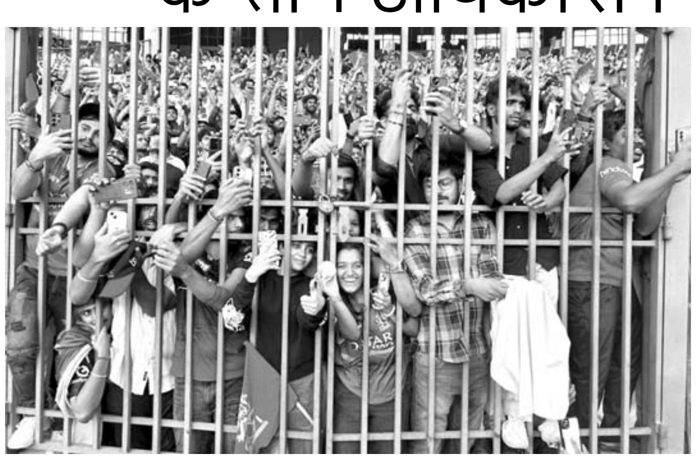

बेंगलुरु, 6 जून। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरा हुई भगदड़ ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना ने ने केवल खेल प्रेमियों, बल्कि पूरे कर्नाटक को गहरे सदमे में डाल दिया।

वहीं हादसे के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सख्त कदम उठाते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। शुक्रवार को बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसले, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क की सीनियर इवेंट मैनेजर किरण कुमार और वाइस प्रेसिडेंट सुनील मैथ्य को गिरफ्तार कर लिया।ये हादसे तब हुआ जब आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के लिए स्टेडियम के बाहर हजारों फैंस जमा हुए थे। जश्न का आयोज आरसीबी, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से किया गया था। लेकिन भीड़ प्रबंधन में भारी चूक और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये उत्सव एक त्रासदी में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं था और आयोजकों ने भीड़ की संख्या का सही आकलन नहीं किया था।

सीएम सिद्धारमैय ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। उन्होंने इस हादसे की जांच के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक एकल-न्यायिक आयोग गठित करने का ऐलान किया। आयोग को 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, सीएम ने बेंगलुरु पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इनमें बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी. दयानंद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार विकास, डीसीपी शेखर एच टेक्कनवर, कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर और अन्य निचले स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

बेंगलुरू भगदड़ जैसे हादसे को रोकने के लिए बीसीसीआई जारी कर सकती है एडवाइजरी

नई दिल्ली, 6 जून। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि बेंगलुरु में जिस तरह की भगदड़ हुई, भविष्य में वैसा कोई हादसा न हो, इसके लिए बोर्ड एडवाइजरी जारी करेगा। बुधवार को आईपीएल विजेता आरसीबी के जश्न के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी। अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की झलक देखने के लिए बड़ी तादाद में फैन जुटे थे और उसी दौरान भगदड मच गई।सैकिया का मानना है कि जल्दबाजी में विजय जुलूस की वजह से ट्रैजिटी हुई। उन्होंने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद मुंबई में भारतीय क्रिकेट टीम की खुली बस में विजय जुलूस का उदाहरण भी किया। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई ने विक्ट्री परेड की सावधानी से प्लानिंग की थी इसलिए वह बहुत ही सुचारु ढंग से हो गया। सैकिया ने सीएनएन-न्यूज 18 के साथ बातचीत में कहा कि कोई टीम टूर्नामेंट के बाद किस तरह जश्न मनात है, उस पर बीसीसीआई को कोई नियंत्रण नहीं है। लेकिन भविष्य में इस तरह की घटनाओं को होने से रोकने के लिए बोर्ड एडवाइजरी जारी कर सकता है।

इंडोनेशिया ओपन : सात्विक-चिराग की जोड़ी का सफर हुआ समाप्त, मलेशियाई जोड़ी से मिली हार

जकार्ता, 6 जून। सात्विकसाई राज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी का सफर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी को मलेशियाई की मान वेई चोंग और ति काई वुन की जोड़ी के खिलाफ शुक्रवार को हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड की पूर्व नंबर वन भारतीय जोड़ी 2023 में इस टूर्नामेंट की विजेता बनी थी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को 43 मिनट तक चले मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। ये चोंग वुन की जोड़ी की सात्विक-चिराग के खिलाफ पिछले पांच मैचों में ये पहली जीत है। सात्विक-चिराग की हार के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। भारतीय जोड़ी को अपनी सर्विस और रिटर्न में संघर्ष करना पड़ा। मान वुन ने पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स और जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीता था।

पहले गेम में सात्विक ने दो शॉट नेट पर मारे, जिससे मलेशियाई टीम 9-7 से आगे हो गई। इंटरवल तक वे 11-9 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद थोड़ा आक्रामक खेल दिखाया और 11-11 से बराबरी कर ली, लेकिन मैन और वुन ने 15-12 की बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ियों ने दो बार नेट पर शॉट मारा, जिसके बाद भारतीयों ने वापसी करते हुए 17-17 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। सात्विक ने नेट पर फिर से चूक की और मलेशियाई टीम को गेम प्वाइंट दे दिया।

दूसरे गेम में भी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह एक समय 3-7 से पीछे चल रही थी। मलेशियाई टीम ने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा दोनों टीम के बीच अंतर को 15-9 कर दिया। भारतीय जोड़ी हालांकि आसानी से हार मानने के लिए तैयार नहीं थी और उन्होंने जल्द ही स्कोर 16-18 कर दिया। मलेशिया की टीम ने हालांकि इसके बाद चार मैच प्वाइंट हासिल किए और बिना किसी परेशानी के जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

न्यूजीलैंड ने रॉब वाल्टर को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

वेलिंगटन, 6 जून। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को रॉब वाल्टर को राष्ट्रीय पुरुष टीम के तीनों प्रारूपों के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। जून के मध्य से कार्यभार ग्रहण करने वाले वाल्टर को गैरी स्टीड के जाने के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। जुलाई में उनके साथ टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जायेगी। उनका अनुबंध 2028 के आखिर में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप तक चलेगा।

वाल्टर इस वर्ष अप्रैल तक दक्षिण अफ्रीका की सफेद टीमों की देखरेख कर चुके हैं। उनके कार्यकाल में दक्षिण अफ्रीका ने 2024 में अपने पहले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया, जहां वे बारबाडोस में भारत से हार के बाद उपविजेता रहे। उन्होंने लगातार आठ मैचों की जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड टीम का कोच नियुक्त किये जाने पर वाल्टर ने कहा, ब्लैक कैप्स पिछले कुछ समय से विश्व पटल पर एक सफल और उच्च-सम्मानित टीम रही है और इसमें योगदान देने का मौका मिलना वास्तव में सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा, ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ काम करना एक अद्भुत अवसर है, जिसमें कई वैश्विक आयोजनों के साथ-साथ बड़ी द्विपक्षीय श्रृंखलाएँ भी होंगी।

केपीएल खेलो प्रीमियम 7 के सभी लीग मैच पूरे आज से होंगे नॉकआउट मुकाबले

जयपुर, 6 जून। राजधानी के एसएमएस स्टेडियम में चल रही वैश्य समाज की खेलो प्रीमियर लीग (केपीएल-7) में शुक्रवार को दूसरे दिन लीग के सभी मैच पूरे हो गए। शुक्रवार के मुकाबले बहुत ही रोमांचक रहे। गुरुवार और शुक्रवार को सम्पन्न हुए 12 लीग मैच के रिजल्ट्स के आधार पर सेमीफाइनलिस्ट तय हो गए हैं। शुक्रवार को मुख्य अतिथि खेल और युवा मामलात के शासन सचिव तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन रहे और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। केपीएल चीफ़ सेकेट्री रितेश खंडेलवाल ने बताया कि प्रदर्शन के आधार पर ग्रुप ए में अल्टीमो डेयरडेविल्स एवं लकी सुपर इंडियन्स और ग्रुप बी में राजघराना टाइगर्स एवं वर्ल्डवाइड स्पार्टन्स सेमीफाइनल में पँहुची। जयपुर रॉयल्स, पिंकसिटी टाइटन्स, रजवाड़ा ब्लास्टर्स एवं राजपुताना वारियर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गई। टूर्नामेंट में शनिवार को 4 मैच होंगे, जिसमे सुबह 2 नॉक आउट मैच किड्स के होंगे। उसके बाद 10 बजे पहला सेमीफाइनल और 3 बजे दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। रविवार 8 जून, 2025 को 4 मैच होंगे। जिसका मुख्य आकर्षण डे नाइट फाइनल मैच होगा। जिसमें एल्डर्स मैच, फीमेल मैच और किड्स फाइनल भी होगा। टूर्नामेंट के फिनाले में मुख्य आकर्षण फ़िल्म एक्टर्स सलोनी राउत रहेगी। केपीएल से जुड़े सभी खिलाड़ी, टीम ओनर्स, पार्टनर्स सहित हज़ारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैच देखने एसएमएस स्टेडियम में एकत्रित हुए। कार्यक्रम में बोर्ड डायरेक्टर मनोज सौंखिया, नवीन खण्डेलवाल, रतन ताम्बी, श्रीराम खण्डेलवाल, सोमेश गुप्ता, वीनू गुप्ता, कैलाश गुप्ता, मुकेश गुप्ता, कमल कट्टा, दीपक गुप्ता, अमित डंगायच, कमल खूंटेटा, सुकुमार पाटोदिया, अभिषेक गुप्ता, मोहित नाटाणी, उमेश खूंटेटा समेत अनेक समाजसेवी और उद्यमी गण उपस्थित रहे।

यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स के बीच होगी सेमीफाइनल की जंग

अहमदाबाद, 6 जून। ड्रीम यूटीटी जूनियर्स के पहले सत्र के नॉकआउट चरण सेमीफाइनल में यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी। अहमदाबाद के ईकेए एरिना में रविवार को दोनों सेमीफाइनल मैच खेलें जायेंगे। लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली यू मुंबा और जयपुर पैट्रियट्स, डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और कोलकाता थंडरब्लेड्स ने ड्री यूटीटी जूनियर्स के सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है।

दक्षिण अफ्रीका में पांच नये खिलाड़ी

केप टाउन, 6 जून। दक्षिण अफ्रीका ने 28 जून से 10 जुलाई तक जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो के क्वीन स्पोर्ट्स क्लब में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। टीम की कप्तान टेम्बा बावुमा को दी गई है जबकि कैगिसो रबाडा, एडेन मार्कराम, मार्का जेनसन, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे कई नियमित टेस्ट खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, नहीं होगी कोई कार्रवाई

बेंगलुरु, 6 जून। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए भगदड़ मामले में राज्य क्रिकेट संघ को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को अपने आदेश में अधिकारियों से कहा है कि वे क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे।राज्य क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने भगदड़ मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का रुख किया था। पहली बार आईपीएल जीतने के बाद आरसीबी की टीम ने 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न मनाया था। उसी दौरान स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी और 56 अन्य घायल हुए थे।पुलिस ने इस मामले में आरसीबी इवेंट मैनेजमेंट फर्म डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कन्नड़ में दर्ज की गई एफआईआर में लिखा है कि बिना पर्याप्त इंतजाम किए प्रोग्राम किया गया। स्टेडियम में फैंस के शांति से प्रवेश के लिए जरूरी पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। एफआईआर में आरसीबी फ्रेंचाइजी, डीएनए और केएससीए के पदाधिकारियों का नाम लिखा गया है।

चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 6 जून। करीब दो दशक लंबे करियर के बाद लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। चावला ने आज सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने संन्यास लेने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, दो दशक से अधिक समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं। वह 2007 में टी-20 विश्वकप और 2011 एकदिवसीय विश्वकप की विजेता टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का आशीर्वाद है इसकी यादें हमेशा उनके दिल में बनी रहेंगी।

तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी से पहले पटौदी ट्रॉफी व एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था

नई दिल्ली, 6 जून। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज होने वाली है। ये टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होगी और 4 अगस्त तक चलने वाली है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हो गई है। इस दौरे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गी है वहीं अब इस ट्रॉफी को सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर किया जा रहा है। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को तेंदुलकर एंडरसन सीरीज नाम दिया जाने वाला है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई ने साथ मिलकर ये फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का अनावरण वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में किया जाएगा, जो कि 11 जून से होने वाली है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। भारत- इंग्लैंड के बीच ये टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रॉफी कहा जाता था। जब ये ट्रॉफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रॉफी कहा जाता था।

वेई यी को हराकर गुकेश नॉर्वे शतरंज के अंतिम दौर में

स्टवान्गर (नॉर्वे), 6 जून। नॉर्वे शतरंज 2025 के नौवें दौर के मुकाबले में विश्व चैंपियन गुकेश डी ने चीन के वेई यी को हराकर टूर्नामेंट के खिताबी दौर में जगह बना ली है। नॉर्वे शतरंज 2025 के नौवें दौर में भारत के गुकेश डी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चीन के नंबर वन वेई यी को हराकर टूर्नामेंट के अंतिम दौर में प्रवेश कर लिया है। गुकेश ने वेई यी की एक महत्वपूर्ण शुरुआती गलती का फायदा उठाकर बढ़त हासिल की। तेज आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए गुकेश डी ने मुकाबले को जीतकर गेम में पूरे अंक हासिल किये। गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि कार्लसन उनसे आधा अंक आगे है।

वहीं एक अन्य मैच में दुनिया के नंबर वन मैग्नस कार्लसन और अमेरिका के फैबियानो कारुआना का मुकाबला हुआ। मुकाबले में एक समय ऐसा लगा रहा था कि कार्लसन हार जायेंगे, लेकिन उन्होंने हराने की स्थिति से वापसी करते हुए कारुआना को हराकर पूरे अंक हासिल किये। हिकारू नाकामुरा और अर्जुन एरिगैसी के बीच का खेल बराबरी पर समाप्त हुआ। हिकारू नाकामुरा ने आर्मगेडन गेम में जीत हासिल की और महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक प्राप्त किये। अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा।

नीरज पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे

नई दिल्ली, 6 जून। मौजूदा भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा 20 जून को स्टेड सेबेस्टियन-चार्लीटी में होने वाली पेरिस डायमंड लीग 2025 में भाग लेंगे। नीरज आठ साल बाद पेरिस डायमंड लीग में वापसी करेंगे। वर्ष 2017 में वह इस स्पर्धा में 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। जर्मनी के जोहान्स वेटर ने 88.74 मीटर का थ्रो कर इस स्पर्धा को जीता था। नीरज के 2024 संस्करण में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन पेरिस ओलंपिक की तैयारी के मद्देनजर वह इस स्पर्धा में भाग नहीं ले सके। मई में दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा ने 90.23 मीटर दूर भाला फेंक कर अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोडा था। नीरज का सबसे हालिया प्रदर्शन 23 मई को पोलैंड के चोरजो में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में हुआ था। नीरज ने टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन में दूसरे स्थान पर रहने के लिए अपने अंतिम प्रयास में 84.14 मीटर भाला फेंक कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नीरज ने अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पोच आमंत्रण स्पर्धा जीतकर अपने 2025 एथलेटिक्स सत्र की शुरुआत की थी। उन्होंने 84.52 मीटर थ्रो किया था। वह 24 जून को चेकिया में होने वाली गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स स्पर्धा की प्रवेश सूची में भी शामिल हैं और पांच जुलाई को बेंगलुरु में उद्घाटन में नीरज क्लासिक में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

भारतीय जीवन बीमा निगम के अखिल भारतीय खेल प्रमोशन बोर्ड का गठन

दीपांक दास पुन : बने प्रमोशन बोर्ड के सदस्य

जयपुर, 6 जून। भारतीय जीवन बीमा निगम के केन्द्रीय कार्यालय द्वारा अखिल भारतीय खेल प्रमोशन बोर्ड का सत्र 2025-2027 के लिए गठन किया गया जिसमें जयपुर के दीपांक दास का चयन, लगातार दूसरी बार, बोर्ड के सदस्य के रूप में किया गया है । दीपांक दास टेबल टेनिस के पूर्व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी है तथा अंतरराष्ट्रीय एंपायर भी है। जयपुर संभाग से दीपांक दास प्रथम व्यक्ति है जिनका लगातार दूसरी बार इस बोर्ड में चयन हुआ है। दीपांक दास ने 2008 में जयपुर में आयोजित साउथ एशिया पेसिफिक खेलों में, 2010 में दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ खेलों में, 2015 में जयपुर में आयोजित जीएसी ग्रुप एशिया कप खेलों में तथा 2018 में जयपुर में आयोजित वेटरन नेशनल खेलों मे व नवंबर 2024 में आयोजित भारतीय जीवन बीमा निगम के अखिल भारतीय खेलों सहित कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिताओ के आयोजन में अंतरराष्ट्रीय अंपायर व प्रतियोगिताओं के सफल संचालक के रूप मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान मे दीपांक दास भारतीय जीवन बीमा निगम में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत है। दीपांक दास 17 बार भारतीय जीवन बीमा निगम की उत्तर क्षेत्रीय प्रबंधक ट्रॉफी के विजेता रह चुके हैं व 26 बार इन्होंने अखिल भारतीय जीवन बीमा निगम प्रतियोगिताओं मे उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। दीपांक दास भविष्य में भारतीय जीवन बीमा निगम की व उसके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के संचालन में सहयोग प्रदान करेंगे व निगम में खेलो के प्रोत्साहन व उत्थान के लिए कार्य करेंगे।

आरसीए राज्य के खिलाड़ियों को बढ़िया प्रदर्शन के लिए करेगा उत्साहित : बिहाणी

राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के मैचों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने के लिए देगा पुरस्कार

जयपुर, 6 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी राज्यके युवा खिलाड़ियों के हित में न केवल सभी निर्णय लेगी साथ ही राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 के दौरान आयोजित की जाने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के मैचों में अपने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पुरुस्कृत करेगी। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आगामी 7 जून से श्रीगंगानगर में व 9 जून से राज्य के विभिन्न जिला केंद्रों पर राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड का आयोजन किया जायेगा।श्रीगंगानगर में 7 जून से आयोजित होने वाले प्रतियोगिता के प्लेट ग्रुप सी के मैच खेल जाएंगे जिसमे धौलपुर, बीकानेर, डूंगरपुर, पाली, जैसलमेर जिला क्रिकेट संघो की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता के दिनांक 7 जून को पहले दिन श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जाने वाले मैचो में पहला मैच बिहाणी क्रिकेट ग्राउंड, डूंगरपुर बनाम पाली जिला टीमों के मध्य एवं दूसरा मैच स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स टांटियायूनिवर्सिटी में धौलपुर बनाम बीकानेर जिला टीमों के मध्य खेला जाएगा।बिहाणी ने बताया की राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जाने वाली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के मैचों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडी को मैन ऑफ़ थ मैच सहित प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ

खिलाडी, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के पुरुस्कार भी इस वर्ष से शुरू किये जा रहे हैं जिससे न केवल खिलाडियों का होंसला बढ़ेगा साथ ही खिलाडियों को प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी व अपने उच्च प्रदर्शन के दम पर राज्य के युवा खिलाडी राष्ट्रिय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर पाएं। बिहाणी के अनुसार आरसीए द्वारा राज्य के विभिन्न जिला केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली राज्यस्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है व प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए कार्यालय कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं की प्रतियोगिता व खेल गतिविधियों में भाग ले रही टीमों व खिलाडियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो व खिलाडी प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे पाएं इसका विशेष ध्यान रखा जाये।

फीफा विश्वकप क्वालीफायर में अर्जेंटीना ने चिली को हराया

सैंटियागो, 6 जून। जूलियन अल्वारेज के पहले हाफ में किये गये गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने फीफा विश्वकप क्वालीफायर में चिली पर 1-0 से जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नैशनल में गुरुवार को खेले गये मुकाबले में अल्वारेज ने 23वें मिनट में थियागो अल्माडा की थ्रू बॉल पर गोलकीपर ब्रायन कॉर्टेस के ऊपर से शॉट मारकर अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने अधिकतर समय तक गेंद को अपने कब्जे में रखा। दूसरे हाफ में चिली ने वापसी प्रयास किया।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों की एसी ट्रेन को रामेश्वरम, मदुरई रवाना किया

उन्होंने दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 25-26 का शुभारंभ किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत इस साल 50 हजार वरिष्ठ जनों को एसी ट्रेनों से 13 तीर्थस्थलों की यात्रा करायेगी।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की प्रथम वातानुकूलित ''राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन'' को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनको सुगम एवं सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

जयपुर, 6 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025-26 का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही, योजना के तहत प्रथम वातानुकूलित 'राजस्थान वाहिनी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन' को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस एसी ट्रेन से वरिष्ठ नागरिकगण रामेश्वरम एवं मदुरई के तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात कर उनकी सुगम एवं सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे लिए एक अमूल्य धरोहर और समाज का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इनके अनुभव और आदर्श हमें जीवन में सही राह पर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना जीवन भर समाज एवं राष्ट्र की सेवा करने वाले वरिष्ठ जनों की सेवा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक भाव है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के मन में यह इच्छा रहती है कि वह अपने जीवनकाल में महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों की यात्रा करे, वरिष्ठजनों की पावन धामों के दर्शन करने की इच्छा से प्रेरित होकर यह तीर्थयात्रा योजना चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान सभी तीर्थ यात्रियों को राज्य सरकार द्वारा भोजन, ठहरने की सुविधा सहित, सभी आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएंगी। शर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत, इस साल 50 हजार वरिष्ठजनों को पहली बार एसी ट्रेनों से 13 विभिन्न तीर्थस्थलों की यात्रा करवाई जा रही है। इसके पहले लगभग छह हजार श्रद्धालुओं को हवाई जहाज से नेपाल में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करवाए गए हैं। इस अवसर पर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में तीर्थयात्री और उनके परिजन उपस्थित थे।

जी-7 की मीटिंग के लिए मोदी को न्यौता

नयी दिल्ली, 06 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 देशों की शिखर बैठक में शामिल होने इस महीने कनाडा जायेंगे। यह बैठक 15 से 17 जून तक अलबर्टा प्रांत के कनानास्किस में होनी है।

मोदी ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी ने उन्हें फोन कर जी -7 की बैठक का न्यौता दिया। उनकी इस पोस्ट से पिछले कुछ दिनों से भारत के इस बैठक में शामिल होने को लेकर लगायी जा रही अटकलों पर विराम लग गया है।

- **प्र.मंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि कैनडा के प्रधानमंत्री ने फोन करके जी-7 मीटिंग में आने का निमंत्रण दिया है।**

मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री मार्क जे कानी का फोन आने पर प्रसन्नता हुई। मैंने उन्हें हाल के चुनावों में मिली विजय के लिए बधाई दी और कनानास्किस में इस महीने होने वाली जी-7 की बैठक में भाग लेने का आमंत्रण देने के लिए धन्यवाद दिया।

जी-7 देशों में कनाडा, अमेरिका, फ्रांस, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन तथा इटली शामिल हैं। मोदी इस शिखर बैठक में विशेष आमंत्रित के तौर पर भाग लेंगे।

सचिन पायलट ने टोंक के 10 गाँवों में जनसुनवाई की

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार केवल धुआं फेंक रही है

टोंक, 6 जून (निस)। दो दिवसीय दौरे पर आये कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने दूसरे दिन टोंक विधानसभा क्षेत्र के करीब 10 गांवों का दौरा कर जनसुनवाई की। इस दौरान लोगों ने पायलट को बिजली-पानी सहित कई परेशानियां बताईं, जिसके लिए पायलट ने अधिकारियों को निर्देश देकर जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

- **कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने 11 बार कहा कि व्यापार का लालच देकर सीज़फायर कराया। यह दुख की बात है, अभी तक सर्वोच्च पद पर बैठे लोगों ने इसका खंडन नहीं किया।**

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक दौरे के दूसरे दिन करीब 10 गांवों का दौरा कर जनसुनवाई की।

पायलट ने सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार सिर्फ धुआं फेंक रही है। भाजपा के पिछले डेढ़ साल के कार्यकाल से लग रहा है कि पिछली कांग्रेस सरकार में किये गये कार्यों की देखरेख भी वर्तमान भाजपा सरकार ठीक तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का पूरा ध्यान अपनी कुर्सी बचाने के लिए दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा हुआ है।

पायलट ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार नहीं, 11 बार यह कहा कि व्यापार का लालच देकर सीज़ फायर करवाया है। यह बड़े दुख की बात है कि अभी तक भी सर्वोच्च पद पर बैठे जिम्मेदार लोगों ने इसका खंडन नहीं किया है, वैसे भी अमेरिका के राष्ट्रपति कौन होते हैं सीज़ फायर करवाने वाले। पायलट ने कहा कि जवाबी कार्यवाही तो उसे कहते हैं, जब इंदिरा गांधी के समय पाकिस्तान के 95 हजार सैनिकों ने हथियार डाल दिये थे। पाकिस्तान में टूटी- फूटी सरकार है।

पीलूपुरा में गुर्जर समाज की महापंचायत और गुर्जर आरक्षण को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि संविधान में जो राहत लोगों को दी गई है, उस पर अमल नहीं होगा तो जनता को उसका जवाब मांगने का अधिकार है। जो एग्रीमेंट हैं, गजट नोटिफिकेशन हैं, उनकी पालना नहीं होती हैं, यह तो भारत सरकार को भी देखना चाहिए।

पायलट के दौरे के दौरान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, भंवर लाल बंशीवाल सहित, सैकड़ों कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

मोदी सरकार की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर चिंता बढ़ा दी है।

शीर्षस्थ कूटनीतिक और सुरक्षा विशेषज्ञ भारत की रणनीतिक स्थिति को कमज़ोर होते देख कर चिन्तित एवं आशंकित दिखाई दे रहे हैं। एक पूर्व भारतीय राजदूत ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, " गहन प्रयासों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं में पाकिस्तान की भूमिका को रोकने में भारत की असफलता यह दर्शा रही है कि विदेश नीति में इरादे और अमल के बीच गहरी खाई है।

पूर्व विदेश मंत्री और मोदी सरकार की विदेश नीति व आर्थिक नीति के प्रखर आलोचक डॉ. के.सी. मेनन ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "भारत की वैश्विक साख पर गंभीर अविश्वास खड़ा हो रहा है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो मुझे नहीं लगता कि मोदी सरकार, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नतीजों का सामना किए बिना, अपना तीसरा कार्यकाल पूरा कर पाएगी।"

लेकिन सरकार ने इन आरोपों पर घोर चुप्पी साध ली है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बस इतना कहा कि एक दीर्घकालिक कूटनीतिक रणनीति चल रही है और अल्पकालीन महत्व की घटनाएं भारत की वास्तविक वैश्विक स्थिति को प्रदर्शित नहीं करतीं।"

इस बीच, विपक्षी गठबंधन "इंडिया" आंतरिक सुरक्षा और विदेश नीति के रंग-ढंग को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुये एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की तैयारी में है। वरिष्ठ नेताओं ने सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए, अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में पारदर्शिता और जम्मू-कश्मीर में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति से निपटने की योजना को स्पष्ट करने की मांग की है।

जैसे-जैसे संसद का मानसून सत्र नज़दीक आ रहा है, तीखे राजनीतिक टकराव का मंच तैयार हो रहा है। अब देखना यह है कि क्या मोदी सरकार अपनी (विजय) गाथा पर अड़ी रहेगी तथा उसे ही दोहराती रहेगी या फिर उसे देश और दुनिया में अपनी विदेश नीति की दिशा पर बढ़ती चिंता का सामना करना पड़ेगा।

'जम्मू-कश्मीर में बना विकास का माहौल, पहलगाम हमले से नहीं रुकेगा'

प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे ऊँचे चिनाब रेल ब्रिज के उद्घाटन के दौरान जनता को संबोधित करते हुए कहा

श्रीनगर, 06 जून। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार जम्मू-कश्मीर दौरे पर पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने चिनाब ब्रिज का जायजा भी लिया और इसको बनाने वाले कामगारों से बातचीत की। इसके बाद उन्होंने इसी ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। ये देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है, जो केबल स्टेड तकनीक पर बना है। यह ऐतिहासिक पुल न सिर्फ कश्मीर घाटी को पूरे भारत से जोड़ेगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास को भी नई गति देगा। साथ ही प्रधानमंत्री ने कटरा और श्रीनगर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन के जरिये जम्मू से श्रीनगर का रास्ता केवल 3 घंटे का रह जाएगा।

पीएम मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर में 46 हजार करोड़ की परियोजना का उद्घाटन किया।

मोदी ने कटरा में 42 मिनट का भाषण दिया। इसमें आतंकवाद, पाकिस्तान और कश्मीर के टूरिज्म का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमला इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला था। यह पाकिस्तान की बड़ी साजिश थी, जो कश्मीर में तेजी से बढ़ रहे पर्यटन और आर्थिक विकास को रोकना चाहता था। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर के विकास के वेग को रुकने नहीं दिया जाएगा।

- **प्रधानमंत्री ने इसी ट्रैक पर बने अंजी ब्रिज का भी लोकार्पण किया। यह देश का पहला ऐसा ब्रिज है जो केबल स्टैंड तकनीक पर बना है।**
- **मोदी ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम में इंसानियत व कश्मीरियत पर हमला किया, वे भारत में दंगे कराना चाहते थे, पर, कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान के नापाक इरादों को ध्वस्त कर दिया।**

प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले में नौजवान आदिल की हत्या का भी उल्लेख किया और कहा कि आदिल वहां मेहनत-मजदूरी करने गया था। आतंकियों ने उस आदिल को भी मार दिया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की इस साजिश के खिलाफ जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर के लोग उठ खड़े हुए हैं, जम्मू-कश्मीर की आवाम ने इस बार जो ताकत दिखाई है, ये सिर्फ पाकिस्तान नहीं, दुनियाभर की आतंकवादी मानसिकता को, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कड़ा संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि विकास का जो वातावरण जम्मू-कश्मीर में बना था, वो पहलगाम के हमले से डिगने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गत 06 मई की वो रात, पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। अब पाकिस्तान कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा, तो उसे अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। सभा में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, जितेन्द्र सिंह और वी सोमन्ना जी, जम्मू-कश्मीर के उप मुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार, विधानसभा में नेता विपक्ष सुनील और अन्य गणमान्य व्यक्त उपस्थित थे।

क्या "इमरजैंसी" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया है। इसके विपरीत, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और तृणमूल कांग्रेस सहित 16 दलों के विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि ऑपरेशन 'सिंदूर' और उससे जुड़े सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए। सरकार ने न तो इमरजेंसी सत्र को लेकर कांग्रेस के दावे पर कोई प्रतिक्रिया दी है, न ही इंडिया ब्लॉक के विशेष सत्र के अनुरोध पर कोई जवाब दिया है। ऐसे में स्थिति अभी भी गतिशील बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषक सरकार की ओर से किसी आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे हैं, ताकि विशेष संसद सत्र को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सके।

'अपराध गंभीर हो तो एंटीसिपेटरी बेल ना दें'

नई दिल्ली, 6 जून। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गंभीर अपराधों के मामलों में गिरफ्तारी पूर्व जमानत बिना सोचे-समझे नहीं दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की पीठ ने यह टिप्पणी बिहार के एक हत्या के मामले में चार आरोपियों को दी गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत रद्द करते हुए की।

पीठ ने 1 मई को दिए गए आदेश में कहा, पटना हाईकोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस वजह के दिया गया है, जिसमें आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या की कोशिश) जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, यह आदेश संक्षिप्त और न्यायिक विश्लेषण से रहित है। ऐसे गंभीर मामलों में इस तरह से स्वचालित रूप से जमानत नहीं दी जा सकती। यह आदेश रद्द किया जाना चाहिए।मामले में कोर्ट ने कहा कि एफआईआर और अन्य दस्तावेजों के अनुसार, शिकायतकर्ता के पिता की उसके सामने ही लोहे की रॉड और डंडों से पिटाई की गई थी, जिससे उसकी उसी दिन मौत हो गई। यह विवाद रास्ते में रुकावट को लेकर हुआ था। एफआईआर में आरोपियों की भूमिका साफ तौर पर बताई गई है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह लैंड मॉर्क टिप्पणी पटना हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। पटना हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को पीट-पीट कर मार डालने के आरोपियों को जमानत दे दी थी।**

करोना के एक्टिव केस हुए 5 हजार के पार

नयी दिल्ली, 06 जून। देशभर में करोना संक्रमण के 464 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ कुल सक्रिय मामलों की संख्या शुक्रवार सुबह 5364 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 55 तक पहुंच गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, सुबह आठ बजे तक देश में करोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ कर 5364 पहुंच गयी। अभी तक 4724 मरीजों को स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 55 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में करोना संक्रमण के कुल 1266 मामले सामने आये हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश के नौ राज्यों में करोना के सक्रिय मामले सबसे अधिक हैं, जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसी अवधि में करोना संक्रमण के 498 नये सक्रिय मामले सामने आये हैं और 764 मरीजों के स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है लेकिन इस अवधि के दौरान चार और मरीजों की जान चली गयी।

भगवान सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

देवनानी ने कहा कि उनका निधन हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

वसुंधरा राजे ने कहा कि उनके निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। उन्होंने जीवनपर्यंत संगठन और समाज की सेवा को अपना धर्म माना।

इसी तरह उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं प्रेम चंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित, कई नेताओं ने रोलसाबसर के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है।

कांग्रेस ने ट्रंप-मस्क की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेल खाती रही हैं - जिनमें बंदरगाह, हवाई अड्डे, ऊर्जा, कोयला और रक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

वर्ष 2015 से ही भारतीय मीडिया ने इस प्रवृत्ति की ओर इशारा किया था: जहाँ भी मोदी विदेश दौरे पर जाते, उसके तुरंत बाद ही अडानी भी वहाँ एक्टिव हो जाते।

2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उसके तुरंत बाद अडानी समूह के कारोबार में तीव्र विस्तार हुआ। इस अवधि में समूह ने बंदरगाहों, हवाई अड्डों, नवीकरणीय ऊर्जा, डेटा सेंटर और ऊर्जा उत्पादन में बड़ी हिस्सेदारी हासिल की

2014 में अडानी की अनुमानित संपत्ति लगभग 3.5 अरब डॉलर थी और 2022 तक, वे थोड़े समय के लिए दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति तक बन गए थे।

उस समय मोदी का दूसरा कार्यकाल चल रहा था।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2014 के आम चुनाव अभियान के दौरान, मोदी ने चुनाव प्रचार के लिए कथित रूप से अडानी के प्राइवेट जैट का इस्तेमाल किया था।

इसके अलावा, अडानी समूह ने रणनीतिक सार्वजनिक परिसंपत्तियों, जैसे छह प्रमुख हवाई अड्डों (जिसमें मुंबई भी शामिल है) और प्रमुख बंदरगाहों, मुंद्रा और विजिंजम, की निविदाएं जीतीं और उन पर नियंत्रण किया।

पिछले एक दशक में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि अडानी समूह का अंतरराष्ट्रीय विस्तार अक्सर मोदी की उच्च स्तरीय कूटनीतिक यात्राओं के साथ मेल खाता है।

कई मामलों में, मोदी की यात्राओं के बाद महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौते होते देखे गए हैं।

कांग्रेस ने इस बार एक अंतरराष्ट्रीय विवाद को बहुत चतुराई से भारतीय संदर्भ में ढाल कर मोदी-अडानी संबंधों को फिर से चुनावी विमर्श के केन्द्र में ला दिया है।

3 अगस्त को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी कहा था कि जरूरत पड़ने पर एनबीई परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की अनुमति के लिए गुहार लगा सकती है।

शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद एनबीई ने परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाने समेत सुरक्षा संबंधी अन्य उपाय करने का हवाला देते हुए तीन जून को एक आवेदन के जरिए परीक्षा को तीन अगस्त को आयोजित करने की अनुमति मांगी थी।

अब आर.टी.जी.एस. से पैसा ट्राँसफर लगभग सभी ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फॉर इंटरनेशनल सैटलमैंट्स) आम जनता के बीच भले ही कम जाना-पहचाना नाम हो, लेकिन यह वैश्विक स्तर पर वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर देश के पास केंद्रीय बैंक होता है जो प्राइस स्टेबिलिटी और मॉनिटरी सिस्टम की निगरानी करता है, और बी.आई.एस. एक तरह से इन केंद्रीय बैंकों का "बैंकर" है।

बी.आई.एस. ने 17 मई को स्विट्ज़रलैंड के बाज़ल शहर में अपनी 95वीं वर्षगांठ मनाई, जहाँ इस संस्था द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिकाओं को प्रदर्शित किया गया। बी.आई.एस. की स्थापना प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) के तुरंत बाद जर्मनी से युद्ध हर्जाने के भुगतान के प्रबंधन के लिए की गई थी।

प्रथम विश्व युद्ध के अंत में जर्मनी को मित्र राष्ट्रों को युद्ध हर्जाने के रूप में भारी भुगतान करने के लिए बाध्य किया गया था। ये भुगतान पहले बी.आई.एस. को दिए जाते थे, जो फिर फ्रांस या ब्रिटेन जैसे विभिन्न देशों के दावे निपटाता था।

लेकिन 1932 तक, वर्साय शांति समझौता और उसके हर्जाना भुगतान के प्रावधान अप्रभावी हो गए, क्योंकि जर्मनी इतनी बड़ी रकम चुकाने की स्थिति में नहीं था। जर्मनी में अत्यधिक महंगाई के कारण अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी और प्रयासों के बावजूद कोई भी राशि नहीं वसूली जा सकी।

इसलिए बी.आई.एस. की मूल भूमिका अप्रासंगिक हो गई और यह धीरे-धीरे विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच लेनदेन और दावों को निपटाने का मंच बन गया।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बी.आई.एस. को एक नई भूमिका मिली। यह अमेरिका की मार्शल योजना के तहत यूरोपीय देशों के पुनर्निर्माण के लिए बड़ी रकम के हस्तांतरण का प्लेटफॉर्म बन गया। जब पुनर्निर्माण कार्य धीमा पड़ने लगा, तो बी.आई.एस. एक ऐसा मंच बन गया जहाँ केंद्रीय बैंक अधिकारी मिलकर मौद्रिक स्थिरता और नीतियों पर चर्चा करने लगे।

- **पर, दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय देशों के पुनर्निर्माण के लिए भारी राशि आई, अमेरिका के मार्शल प्लान के तहत, तब बी.आई.एस. की दुकान फिर चल पड़ी।**
- **पर, कालांतर में, बी.आई.एस. को समय की आवश्यकता के अनुसार, अपना स्वरूप व कामकाज बदलना पड़ा और अब आर.टी.जी.एस. के रूप में वह पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय संकटों से गुजरने के अनुभव की उसकी स्मृतियां तथा डेटा बेस उसका सबसे बड़ा "एसैट" (धरोहर) हैं तथा फायनैंशियल सिस्टम को संकटों से निपटने के लिए उठाये गये नीतिगत निर्णय व प्रक्रिया, अब भावी संकटों से निपटने में भारी भूमिका निभायेंगे।**

केन्द्रीय बैंकों के बीच पॉलिसी पर विचार विमर्श के लिए बी.आई.एस. प्लेटफॉर्म का मुख्य आधार इसकी मजबूत शोध क्षमताएं और डेटाबेस है। बी.आई.एस. इन केंद्रीय बैंकों को मौद्रिक नीतियों पर समन्वय स्थापित करने का प्रमुख मंच प्रदान करता है। यद्यपि प्रत्येक देश की अपनी आर्थिक परिस्थितियाँ और जरूरतें होती हैं, जिनका समन्वय करना होता है।

बी.आई.एस. की एक अन्य भूमिका यह भी रही कि यह वैश्विक स्तर पर धन प्रवाह (फ्लो ऑफ फण्ड्स) की निगरानी करे। द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद विभिन्न आर्थिक और वित्तीय घटनाओं के कारण विभिन्न देशों के बीच फंड का प्रवाह बढ़ने लगा।

इसका एक प्रमुख कारण था, फिक्स्ड एक्सचेंज रेट से हटकर बाजार आधारित एक्सचेंज रेट की ओर जाना। इससे देशों की मौद्रिक नीतियों को नई दिशा में ढालना आवश्यक हो गया?

ये बदलाव उस नए वैश्विक आर्थिक माहौल का सीधा नतीजा थे, जो उस समय उभर रहा था। पहले यह माना जाता था कि किसी भी देश के करंट अकाउंट (चालू खाते) में शून्य बैलेंस होना चाहिए और किसी भी स्थिति में चालू खाता घाटा (स्ट्रक्चरल करंट एकाउंट डैफिसिट) स्वीकार नहीं किया जाता था। लेकिन बाद में यह सोच बदलने लगी। इस नए सिस्टम का मुख्य आदर्श उदाहरण यह था कि कुछ देशों (जैसे चीन) के पास भारी मात्रा में सरप्लस पूँजी जमा होने लगी और कुछ देशों (जैसे अमेरिका) पर भारी घाटा हो गया।

इसका नतीजा यह हुआ कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं के बीच बड़े पैमाने पर पूंजी का प्रवाह होने लगा। इससे बाजार में उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता पैदा होने लगी।

व्यापार के जरिए आने वाले पैसों के साथ-साथ, बाजार में नई ताक़त के रूप में संस्थागत निवेशक (इन्स्टिट्यूशनल इन्वैस्टर) सामने आए। ये निवेशक सिर्फ एक बटन दबाकर बड़ी रकम को एक देश से दूसरे देश में भेज सकते थे। ऐसे अचानक आने-जाने वाले अनुमानित निवेश (स्पैक्युलेटिव फण्ड्स) से एक्सचेंज रेट्स में भारी बदलाव आ सकते थे, जो आगे चलकर देशों की असली अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करते थे।

इतने बड़े पैमाने पर हो रहे पैसों के आवागमन के सामने बी.आई.एस. की भुगतान और निपटारे की पारम्परिक भूमिका अब कमजोर व अप्रासंगिक हो गई।

लेकिन बी.आई.एस. के लिए एक नई भूमिका साफ दिखाई दे रही थी, इसका डेटाबेस और रिसर्च संसाधन आर्थिक संकट के समय नीति बनाने में मददगार बन सकते थे।

इस तरह, बी.आई.एस. अब अपनी मूल भूमिका से बहुत आगे निकल गया है और अब यह एक ऐसा स्थायी मंच बन गया है जहाँ दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के नीति निर्माता मिलते हैं, मॉनिटरी पॉलिसी और बैंकिंग रेगुलेशन पर चर्चा करते हैं, ताकि वित्तीय स्थिरता बनी रह सके।

बी.आई.एस. (बैंक फॉर इन्टरनैशनल सैटलमैंट) की स्थापना आज की आई.एम.एफ. और वर्ल्ड बैंक जैसी ब्रैट संस्थाओं से भी पहले हुई थी। यह अब ग्लोबल फायनैंस में 100 साल पूरे करने की ओर बढ़ रहा है।

बी.आई.एस. के पास वित्तीय संकटों का संस्थागत अनुभव, आर्काइव्ज़ और डेटा मौजूद हैं - जो आने वाले समय में वित्तीय पूंजीवाद (फायनैंशियल कैपिटलिज़्म8) को बनाए रखने के लिए एक अमूल्य संसाधन साबित हो सकते हैं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908